



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 415]  
No. 415]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 19, 2008/कार्तिक 28, 1930  
NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 19, 2008/KARTIKA 28, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 2008

विषय : चीन जन. गण., हांगकांग तथा चीनी ताइपेई से डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डबल ( डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आर डब्ल्यू ) के आकर्षकों के बारे में पाटनरोधी जांच के अंतिम जांच परिणाम।

14/17/2007/डीवीडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण नियमावली, 1995 (जिसे एलदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. पृष्ठभूमि तथा जांच की शुरुआत

2. ऑप्टिकल डिस्क मैन्यूफैक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन (ओडीएमडब्ल्यूए), नई दिल्ली (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे नियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसार विद्विष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें चीन जन. गण., हांगकांग तथा चीनी ताइपेई (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के वा. कहां से निर्यातित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आरडब्ल्यू) (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क वसूल करने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है। नियम 5(5) के अनुसार पूर्णतः प्रलेखित याचिका की प्राप्ति के बारे में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया गया था।

3. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की उस राशि का निर्धारण करने के लिए जिसे यदि वसूल किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के या वहां से निर्यातित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आरडब्ल्यू) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 20 नवंबर, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।

4. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए 16 जून, 2008 की अधिसूचना द्वारा अपने प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए और प्राधिकारी की ऐसी सिफारिशों पर कार्रवाई करते हुए राजस्व विभाग ने 23 जुलाई, 2008 की अपनी अधिसूचना सं. 89/2008-शु.शु. के तहत संबद्ध वस्तु पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया था।

#### ख. प्रक्रिया

5. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत को अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- (क) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 20-11-2007 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रक्रिया भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया;
- (ख) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई;
- (ग) संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजीं। प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने से संबंधित प्रश्नावली भी भेजी;
- (घ) भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरुआत के बारे में सूचित किया गया और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पतों के साथ संबद्ध देशों के दूतावासों को भी भेजी गई थी;
- (ङ) पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के व्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वार्षिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से अनुरोध किया गया था और डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त आंकड़ों पर इन जांच परिणामों में भरोसा किया गया है;
- (च) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण नियम 6(7) के अनुसार सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और यह फाइल हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुली रखी;
- (छ) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की इष्टतम लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;
- (ज) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।
- (झ) हांगकांग सरकार, विशेष प्रशासनिक प्रभाग (एचकेएस एआरजी) ने सूचना प्रस्तुत की। इन जांच परिणामों में संभव सीमा तक उस सूचना पर भरोसा किया गया है जिसमें मै. एलाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मेगेनेटिक लि., नई दिल्ली ने आयातक के रूप में सूचना प्रस्तुत की है। इस सूचना पर इन जांच परिणामों में भरोसा किया गया है। जिन अन्य निर्यातकों और आयातकों ने सूचना प्रस्तुत नहीं की है उन्हें असहयोगी निर्यातक और आयातक माना जा रहा है।
- (ट) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रतिवादी आयातक और संबद्ध वस्तु के प्रयोक्ताओं सहित समस्त ज्ञात हितबद्ध पार्टियां, भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों तथा घरेलू उद्योग को 16 जून, 2008 के प्रारंभिक जांच परिणामों की प्रतियां भेजी और प्रारंभिक जांच परिणामों पर हितबद्ध पार्टियों की टिप्पणियां मांगी। इस जांच से संबंधित पार्टियों से यह अनुरोध किया गया था कि वे प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना के 40 दिनों (अथवा विस्तारित अवधि) के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं।
- (ठ) प्रारंभिक जांच परिणामों के उत्तर में हितबद्ध पार्टियों की टिप्पणियों को रिकार्ड में लिया गया है और उन पर इन जांच परिणामों के समुचित खंडों में विचार किया गया है।

- (ड) अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए सभी हितबद्ध पार्टियों को अवसर प्रदान करने हेतु प्राधिकारी ने 14 अगस्त, 2008 को सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की। इस जांच के प्रयोजनार्थ सार्वजनिक सुनवाई के दौरान पार्टियों द्वारा किए गए मौखिक अनुरोधों को जो लिखित में पुनः प्रस्तुत किए गए थे, रिकार्ड में लिया गया है।
- (ढ) धरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में उनके गोपनीयता के दावों की जांच की गई है। लागत, ग्राहक कीमत से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना गया है। जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु की मात्रा से संबंधित सूचना को गोपनीय नहीं माना गया है।
- (ण) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी इस जांच परिणाम में विधिवत विचार किया गया है।
- (त) यह जांच 1 अप्रैल, 2006 से 30 जून, 2006 की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। इस विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004, अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006 तक की अवधि और जांच अवधि शामिल थी।
- (थ) \*\*\*यह चिन्ह इस अधिसूचना में आवेदक द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने निश्चयानुसार इसे गोपनीय ही माना है।

### ग. विचाराधीन उत्पाद

7. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी प्रकार की रिकार्डबल डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क (डीवीडी) है। डीवीडी के अनेक प्रकार हो सकते हैं यथा डीवीडी-आर, डीवीडी + आर, डीवीडी-आरडब्ल्यू, डीवीडी + आरडब्ल्यू, मिनी डीवीडी-आर, मिनी डी वी डी-आरडब्ल्यू, मिनी डीवीडी + आर, मिनी डीवीडी + आर डब्ल्यू, डीवीडी + आरडीएल, डीवीडी-आरडीएल। एक डीवीडी को एक बार या कई बार रिकार्ड किया जा सकता है।

### डिस्क निर्माण एवं निर्माण के चरण अथवा

#### डीवीडी-आर और डीवीडी + आर डिस्क का निर्माण

8. डीवीडी-आर का निर्माण और डीवीडी + आर डिस्कें एकतरफा या दुतरफा हो सकती हैं। एकतरफा (एसएस) डिस्क में एक तरफ और डमी तरफ रिकार्डिंग होती है जबकि दुतरफा (डीएस) डिस्क में दोनों तरफ रिकार्डिंग होती है। किसी डीवीडी-आर और डीवीडी + आर को रिकार्डिंग साइट अनेक परतों का मेल-जोल होता है।

**मास्टरिंग :** ऑप्टिकल डिस्क के लिए एक मास्टर के निर्माण की प्रक्रिया, जिसे "मास्टरिंग" के रूप में जाना जाता है, जिसे निम्नलिखित या धात्विक मास्टर अर्थात् "स्टाम्पर" को अंतिम चरण में तैयार किया जाता है। अनेक ऑप्टिकल डिस्क को परिवर्ती ऑप्टिकल प्रक्रिया में मोल्ड के रूप में स्टाम्पर के उपयोग से दोहराया जाता है।

**मोल्डिंग :** सर्वप्रथम एक पॉलिकार्बोनेट प्लास्टिक सबस्ट्रेट की भूमिका होती है जिसमें डिस्क के आंतरिक और बाहरी प्वाइंट्स पर हल्की स्पाइरल ग्रुव होती है।

**डाइकोटर :** इस खण्ड में एक कार्बनिक डाई रिकार्डिंग परत (एजेडओ) का प्रयोग ब्लैक सबस्ट्रेट पर किया जाता है। यह परत रिकार्डिंग परत के रूप में कार्य करती है। डाई का उपयोग स्पिन कोटिंग द्वारा किया जाता है और धात्विक परतों का उपयोग डीसी स्पेडरिंग द्वारा होता है।

**स्पटर (धात्विकरण) :** डिस्क पर एक धात्विक परावर्ती परत (सिल्वर) का उपयोग किया जाता है।

**बॉन्डिंग :** अंतिम डिस्क में दो रिकार्डिंग साइटों (दोतरफा के लिए) या एक रिकार्डिंग तथा डमी साइट (एकतरफा के लिए) को जोड़ने हेतु यह एक आसंजक होता है। कुछेक एकतरफा डिस्क को अलंकरणों या अतिरिक्त परतों से डमी साइट में भी बसा कर दिया जाता है जिससे इंकजेट द्वारा लेवलिंग, थर्मल ट्रांसफर या रिट्रांसफर प्रिंटरों द्वारा उपयुक्त स्थान उपलब्ध होता है। बॉन्डिंग तथा धातु, यूवी केसियोनिक या फ्री रेडिकल प्रक्रिया के उपयोग से की जाती है।

**प्रिंटिंग :** इसके बाद अपेक्षित प्रिंटिंग डिजाइन का उपयोग स्क्रीन प्रिंटिंग पद्धति द्वारा किया जाता है।

**डीवीडी-आर डब्ल्यू तथा डीवीडी + आर डब्ल्यू का निर्माण :** न केवल लेखन अपितु कई बार पुनर्लेखन हेतु सूचना की उपलब्धता के लिए डीवीडी-आरडब्ल्यू, डीवीडी + आरडब्ल्यू डिस्क का निर्माण डीवीडी-आर और डीवीडी + आर (रिकार्डबल) की तुलना में

जटिल होता है। एक रिकार्डिंग डिस्क के समान एक पुनर्लेखन योग्य डिस्क एकतरफा या दोतरफा हो सकती है। एक पुनर्लेखन योग्य डिस्क की रिकार्डिंग साइड में भी डिस्क के आंतरिक और बाह्य व्यास तक एक हल्के स्पाइरल ग्रुव वाला पोलिकारबोनेट प्लास्टिक सबस्ट्रेट की कई परतों का इस्तेमाल किया जाता है।

अगले चरण में डाइइलेक्ट्रिक परत (जिंक सल्फाइड तथा सिलिकॉन डाइऑक्साइड) का उपयोग किया जाता है जिसके बाद फेज-चेंज अलॉय रिकार्डिंग परत (इंडियन, सिल्वर, टेल्यूरियम तथा एंटीमनी या जर्मेनियम, टेल्यूरियम तथा एंटीमनी में से किसी एक), एक अन्य डाइइलेक्ट्रिक परत तथा एक धात्विक परावर्ती परत (सिल्वर, एलॉय, एल्यूमीनियम) का उपयोग किया जाता है। डाइइलेक्ट्रिक परतों के ऊपर या उनके नीचे अतिरिक्त परतों (जर्मेनियम नाइट्राइड, सिल्वर कार्बाइड, सिलिकॉन डाइऑक्साइड, सिलिकॉन नाइट्राइड, जिंक सल्फाइड, एंटीमनी टेल्यूराइड तथा अन्य) का भी उपयोग किया जा सकता है।

डमी साइड में एक अतिरिक्त धात्विक परत के साथ कई बार एक फ्लैट पॉली कार्बोनेट प्लास्टिक सबस्ट्रेट का उपयोग किया जाता है। तत्पश्चात एक आसंजक द्वारा दोनों को एकल डिस्क में समाविष्ट कर दिया जाता है।

9. यह उत्पाद आईटीसी (एचएस) तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 8523 के अंतर्गत वर्गीकृत है। संबद्ध वस्तु का आयात निम्नलिखित उपशीर्षों के साथ सीमाशुल्क वर्गीकरण के अध्याय 8523 के अंतर्गत किया जा रहा है।

85232920, 85232950, 85232970, 85234040, 85234050, 85234060, 8523408, 8523409, 85238090, 85235290, 83238050, 85239010, 85239040, 85239050 और 85239090.

10. तथापि, उक्त वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

#### ग.1. समान वस्तु

11. घरेलू उद्योग द्वारा "डीवीडी" का विनिर्माण किया जाता है जो विचाराधीन उत्पाद के समरूप है। संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित वस्तु तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु भौतिक एवं तकनीकी विशेषताओं, कार्य और उपयोग के अनुसार तुलनीय है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। चूंकि प्रारंभिक जांच के बाद किसी हितबद्ध पार्टी ने समान वस्तु पर कोई मुद्दा नहीं उठाया है इसलिए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क को घाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क के समान वस्तु माना जा रहा है।

#### घ. "आधार" और घरेलू उद्योग

12. यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से ऑप्टिकल डिस्क मैनुफैक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन, नई दिल्ली (ओडीएमए) द्वारा दायर किया गया है। भारत में संबद्ध वस्तु के तीन उत्पादक हैं जो ओडीएमए के भी सदस्य हैं। संबद्ध वस्तु के उत्पादकों में से एक उत्पादक मोजरबेयर लि. ने समस्त संगत सूचना उपलब्ध करायी है। आवेदन को भारत में संबद्ध वस्तु के 100% घरेलू उत्पादन करने वाले उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है अतः उसने आवेदन दायर करने की इच्छा जताई है। इसके अलावा, मोजरबेयर, जिसने समस्त सूचना उपलब्ध करायी है, का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 80% से अधिक बनता है और इसलिए वह नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।

#### ङ हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोध

##### ङ.1 हांगकांग सरकार के विशेष प्रशासनिक प्रभाग (एचकेएसएआरजी) द्वारा किए गए अनुरोध

13. हांगकांग के किसी भी निर्यातक ने जांच का उत्तर नहीं दिया है। तथापि, हांगकांग विशेष प्रशासनिक प्रभाग (एचकेएसएआरजी) ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :

14. याचिका में उल्लिखित निर्यातकों के नाम गलत हैं। यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत को डीवीडी-आर का निर्यात करने वाले हांगकांग के वास्तविक उत्पादकों की मौजूदगी पर भी सवाल उठाया जाता है। एच के एस ए आर जी ने यह विवाद उठाया है कि "हांगकांग के उत्पादकों ने अपेक्स टेबल (अनुबंध 1.5) में सूचीबद्ध खेप का भारत को वास्तव में निर्यात किया है"। तथापि, एच के एस ए आर जी ने सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के संबंध में ऑप्टिकल डिस्क मैनुफैक्चरिंग एंड टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (ओ डी एम टी ए) से प्राप्त सूचना उपलब्ध कराई है, जो हांगकांग डीवीडी-आर उद्योग द्वारा भारत के बाजार को प्रस्तावित कीमत से भिन्न है। यह भी उल्लेख किया गया है कि हांगकांग के डीवीडी उद्योग से एकत्र सूचना का प्रस्तुतीकरण हेतु ओ डी एम टी ए द्वारा विधिवत् सत्यापन कराया गया है। आगे यह उल्लेख किया गया है कि अनुरोध दायर करने का उद्देश्य यह है कि प्राधिकारी को सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु हांगकांग में लागत एवं कीमत से संबंधित भरोसेमंद एवं सही सूचना उपलब्ध करायी जा सके।

15. हांगकांग में पॉलीकार्बोनेट की औसत कच्ची सामग्री की लागत आरोपित लागत से 37% कम है जैसाकि याचिका दस्तावेज में निर्धारित की गई है। हांगकांग में कार्बोनेट की लागत तीनों अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम होनी चाहिए जो याचिकाकर्ता के उस आरोप के प्रतिकूल है कि यह लागत हांगकांग में सर्वाधिक है।

16. यह बताया गया है कि उन्हें यह समझाया गया है कि अनुबंध 1.5 में उल्लिखित आयात के आंकड़ों में "ग्रेड बी" उत्पादों को शामिल किए जाने की अत्यधिक संभावना है जो कि ऐसी डीवीडी-आर हैं जिन्हें गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के दौरान अस्वीकृत किया जा रहा है और इस प्रकार उनकी कीमत सामान्य उत्पादों से पर्याप्ततः कम है। इस प्रकार के अस्वीकृत घटिया वस्तुओं को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को पूरा करने वाली डीवीडी-आर का समान उत्पाद नहीं माना जा सकता और इसलिए इस पर अलग से कार्यवाही की जानी चाहिए। आवश्यक हो तो ओ डी एम टी ए द्वारा घटिया ग्रेड बी उत्पादों का अलग से सामान्य मूल्य उपलब्ध कराया जा सकता है जो सामान्य डीवीडी-आर उत्पादों के सामान्य मूल्य से काफी कम होगा। यह बताया गया है कि ओ डी एम टी ए की ओर से यह यह मानते हैं कि क्रेता द्वारा काफी अधिक मात्रा में खरीद किए जाने की स्थिति में कीमत में कुछ छूट देने की संभावना बन सकती है। यह व्यापार की सामान्य प्रक्रिया है और इसे किसी भेदभाव के बिना निर्यात और आयात बिक्री दोनों पर लागू किया जाता है।

17. घरेलू उद्योग ने क्षमता उपयोग, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, रोजगार, मजदूरी आदि सहित प्रत्येक क्षेत्र में सुधार किया है केवल लाभ को छोड़कर। यह बात दोहरायी गयी है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि और उससे पूर्ववर्ती वर्षों में बेहतर सुधार किया है और यह क्षति का कोई निर्णायक साक्ष्य नहीं है। मोजरबेयर भारतीय बाजार में एक ऑप्टिकल मीडिया मैनुफैक्चरर का सदस्य है और विश्व के प्रमुख तीन मीडिया विनिर्माताओं में मोजरबेयर को घाटा उठाने के बजाय अच्छा लाभ प्राप्त हो रहा है।

18. पाटन होने की असंभावित स्थिति में हांगकांग से हुए आयातों द्वारा आरोपित क्षति नहीं हो सकती है। किसी आरोपित क्षति का वास्तविक कारण यदि ऐसा घटित हुआ है, भारत तथा विश्व में कहीं भी डीवीडी-आर की गिरती हुई कीमत होगा जिसकी वजह वैश्विक आधार पर घटती हुई कीमतें हैं।

19. यह अनुरोध किया गया है कि प्रस्तुतीकरण के बाद अभिज्ञात हांगकांग के किसी भी निर्यातक और एच के एस ए आर जी तथा ओ डी एम टी ए सहित अन्य हितवद्ध पार्टियों को प्रश्नावली पूरी करने और आगे अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए।

## ड.2. ऑप्टिकल डिस्क मैनुफैक्चरिंग एंड टेक्नोलॉजीज एसोसिएशन लि. (ओ डी एम टी ए) द्वारा किए गए अनुरोध।

20. (क) हांगकांग के लिए पी सी सामग्री की लागत से संबंधित सूचना गलत है।

(ख) हांगकांग से आयात हेतु सामान्य मूल्य न्यूनतम सूचना पर आधारित था और इसलिए यह गलत है।

(ग) हांगकांग के निर्यातकों की सूची गलत थी।

(घ) अनुबंध 1.5 के आंकड़े गायब थे। अतः हांगकांग के कुल आयातों का स्थापन नहीं किया जा सकता।

(ङ) डी जी सी आई एंड एस द्वारा अप्रैल, 06 से फरवरी, 07 तक की अवधि के लिए उपलब्ध कराए गए पौलीकाबॉनेट के आयात संबंधी आंकड़े भ्रामक थे और डी जी सी आई एंड एस की विश्वसनीयता उपलब्ध नहीं कराई गई है।

(च) अनुबंध 1.4 में इम्पैक्स स्टेटिक्स के अनुसार देश-वार आयात का विवरण भ्रामक था और इम्पैक्स स्टेटिक्स की विश्वसनीयता उपलब्ध नहीं कराई गई है।

(छ) चूंकि एम बी आई की रिपोर्टों से यह पता चलता है कि स्वयं एम बी आई का स्थान सी डी आर एवं डी वी डी आर के विश्व भर के आपूर्तिकर्ताओं में सबसे बड़े और दूसरे आपूर्तिकर्ता के रूप में आता है इसलिए इसकी क्षमता पहले से ही 2.8 बिलियन से अधिक है और उसे बढ़ाकर 3.4 बिलियन किया जा रहा है। यह क्षमता जांच अवधि के दौरान कुल भारतीय क्षमता (1.656 बिलियन) से लगभग 69% अधिक है। इससे यह पता चलता है कि पाटनरोधी संबंधी दस्तावेज में उल्लिखित आंकड़े वस्तुतः सही नहीं हैं।

(ज) जैसा कि "घरेलू उद्योग की क्षति संबंधी सूचना" संबंधी दस्तावेज से पता चलता है कि हांगकांग से 6.15 बिलियन के आयात आंकड़ों की तुलना में (आंकड़ों का कोई साक्ष्य नहीं है) जांच अवधि के दौरान भारत की कुल उत्पादन क्षमता 1.656 बिलियन की है जो भारत की कुल क्षमता के 1% से कम है। इससे क्या वास्तव में भारत को बाजारी क्षति होगी?

प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद ओडीएमटीए ने कोई अनुरोध नहीं किया था।

## ड.3. मै. एल्ट्राड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैग्नेटिक लि. (आवातक) के अनुरोध

21. अंतर्राष्ट्रीय रूप से और भारत में भी (केवल एक विनिर्माता) इस उत्पाद के कुछेक बड़े विनिर्माताओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय बाजार में इस उत्पाद की व्यावहारिक रूप से कम कीमत पर बिक्री की जा रही है क्योंकि उन्हें उत्पादन मात्रा का लाभ प्राप्त है।

22. एमकेड द्वारा जांचका में उल्लिखित कीमत से ठीक-ठीक औसत कीमत पर डीवीडी-आर का आयात किया जा रहा है।

23. कुछेक आयातकों द्वारा प्रचलित पद्धतियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कीमत से कम कीमत पर उत्पाद का आयात किया जा सकता है। किन्तु किसी कम मूल्यांकन की स्थिति में उसका निर्धारण करना सीमाशुल्क विभाग का अधिकार क्षेत्र होता है। सीमाशुल्क विभाग के पास यह अधिकार है कि उस स्थिति में जुर्माना/अतिरिक्त शुल्क को लागू करे जहां वह यह महसूस करता है कि कीमतें न्यायोचित रूप से कम हैं।

24. डीवीडी-आर ताइवान या हांगकांग या अमरीका जैसे बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों में 12 अमरीकी सेंट से 16 अमरीकी सेंट तक की कीमत पर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खुले रूप में उपलब्ध हैं। कीमत संबंधी सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और इसे इंटरनेट आदि पर आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

25. भारत में डीवीडी-आर का एकमात्र प्रमुख विनिर्माता है जिसका बाजार हिस्सा 90% से अधिक है और इस प्रकार यह कहना सही नहीं है कि भारत में कीमत स्तर उत्पादन लागत तथा बाजारी स्थिति के यथोचित अनुपात में है।

26. जांचाधीन देशों से भिन्न देशों से आयात की कीमतें अधिक हैं क्योंकि इन देशों से होने वाले आयातों में जेबल केस, 10 पीके आदि अलग-अलग पैकेजों में डीवीडी-आर भी शामिल होती हैं।

27. याचिका में डीवीडी-आर डब्ल्यू तथा मिनी डीवीडी-आर डब्ल्यू के बारे में अलग से कोई आंकड़ा/लागत संबंधी ब्यौरा/कीमत सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।

28. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में डीवीडी-आर डब्ल्यू तथा मिनी डीवीडी आर डब्ल्यू के पाटन का ऐसा कोई प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है जिससे इस बात की पुष्टि हो सके कि घरेलू उद्योग को क्षति हो सके। याचिकाकर्ता द्वारा आयात आंकड़ों, कीमत, पाटन, मार्जिन तथा उत्पादन क्षमता आदि जैसे प्रस्तुत सभी आंकड़े डीवीडी-आर से संबंधित हैं।

29. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया है कि भारत में संबद्ध वस्तु के तीन उत्पादक—मै. मोजरबेयर, मै. यूरो मल्टीविजन तथा मै. कम्प्यूटर स्किल हैं। जहां तक डीवीडी आर डब्ल्यू का संबंध है, यह सही नहीं है।

30. क्षति एवं कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने हेतु आवेदक द्वारा अपने आवेदन में दिए गए समस्त तर्क केवल डीवीडी-आर के लिए पाटित आयातों की मात्रा और मूल्य पर आधारित हैं। अतः पाटनरोधी जांच हेतु डीवीडी आर डब्ल्यू तथा मिनी डीवीडी आर डब्ल्यू को शामिल करना न्यायोचित नहीं है।

#### प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद किए गए अनुरोध

31. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद एचकेएसएआर जी ने यह उल्लेख किया कि प्रारंभिक जांच परिणाम सही नहीं हैं और उन्होंने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की गणना का खुलासा करने की मांग की तथा यह भी उल्लेख किया कि भारतीय प्राधिकारी को पाटन के साक्ष्य की पुनः जांच करनी चाहिए और ओडीएमए द्वारा व्यक्त विचारों और प्रस्तुत सूचना पर ध्यान देना चाहिए। एचकेएसएआर जी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति तथा आरोपित क्षति के कारण के दावे पर भी प्रश्न उठाया। आगे यह उल्लेख किया गया कि भारतीय प्राधिकारी को आपवादित परिस्थिति में क्षति के दावे की पुनः जांच करनी चाहिए और कीमतों में वैश्विक गिरावट पर विशेष ध्यान देते हुए डीवीडी उत्पादों की कीमत में गिरावट के अन्य कारकों पर पूरा ध्यान देना चाहिए।

32. एचकेएसएआरजी ने यह बताया कि वे "सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की गणना में प्रयुक्त आंकड़ों का पूर्ण प्रयोग न किए जाने पर कड़ी आपत्ति प्रकट करते हैं जिससे हांगकांग बचाव का उचित अवसर प्राप्त करने से वंचित हुआ है।" यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग के सत्यापित आंकड़े सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बारे में वास्तविक आंकड़े नहीं हैं अपितु ये घरेलू उद्योग के खुद के आंकड़ों पर आधारित केवल अनुमान हैं और हमारा यह मानना है कि उन पर विश्वास नहीं किया जाना चाहिए। यह कम से कम अन्य अधिक विश्वसनीय आंकड़ों के साथ उनकी तुलना की जानी चाहिए।

33. एच के एस ए आर जी ने इस बात पर आपत्ति जताई कि अंतर्देशीय भाड़ा जो हांगकांग के लिए 0.25% की दर से लिया गया था, वह चीन जन. गण. और चीनी ताइपेई के लिए एक समान है जिसका आधार यह है कि हांगकांग उत्कृष्ट परिवहन अवसरचना से युक्त एक पत्तन सहर है और उसका आकार छोटा है, इसलिए औसत अंतर्देशीय भाड़ा चीन के मुख्य भूभाग में औसत अंतर्देशीय भाड़े से काफी अधिक होना चाहिए।

34. एच के एस ए आर जी ने यह आपत्ति जताई है कि भारतीय प्राधिकारी ने ओ डी एम टी ए द्वारा प्रस्तुत सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की गणना को अस्वीकार किया है क्योंकि हांगकांग में डी वी डी विनिर्माता उद्योग द्वारा प्रस्तुत वास्तविक आंकड़ों के संबंध में प्राप्त आंकड़े भारत में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की तुलना में अधिक विश्वसनीय हैं। आगे यह बताया गया है कि सूचना के सत्यापन हेतु एच के एस ए आर जी अथवा ओ डी एम टी ए द्वारा कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए उसकी सत्यता का सत्यापन करने के किसी प्रयास किए बिना ओ डी एम टी ए की सूचना से इंकार करना अनुचित है। ओ डी एम टी ए द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की सत्यता की पुष्टि विभिन्न स्वतंत्र स्रोतों से की जा सकती

है। ग्लोबल सोर्सेज द्वारा प्रकाशित एक बाजार अनुसंधान लेख के अनुसार—डी वी डी/ए/9000000088461. एच डी एम, एक एन ए एस डी ए क्यू सूचीबद्ध कंपनी विश्व भर में ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं को आकर्षित करती है, हांगकांग में विनिर्मित डी वी डी-आर की कीमत 13 से 15 अम. डॉ. सेंट प्रति नग के बीच उधृत करती है जो ओ डी एम टी ए द्वारा परिकलित निर्यात कीमत से अत्यधिक मिलती-जुलती है। हम यह समझते हैं कि ओ डी एम टी ए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की गणना के समर्थन में भारत को डी वी डी उत्पादों के निर्यात न करने वाले डी वी डी विनिर्माताओं सहित समस्त उचित दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराने के लिए हमेशा तैयार है। तथापि, ओ डी एम टी ए का कर्ष भारत के लिए डी वी डी-आर के हांगकांग के वास्तविक विनिर्माताओं और निर्यातकों के नामों के बारे में किसी उपबंध के अभाव में बाधित हुआ है। इन परिस्थितियों में ओ डी एम टी ए वास्तविक आंकड़ों के लिए वास्तविक विनिर्माताओं/निर्यातकों की पहचान नहीं कर सका भले ही वास्तविक विनिर्माताओं/निर्माताओं का पता करने के लिए उसने अब तक सारे प्रयास किए हों।

35. जहां तक क्षति एवं कारणात्मक संबंध का मामला है, एच के एस ए आर जी ने यह बताया है कि प्रारंभिक जांच परिणामों में इस बात की पुष्टि हुई है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, बाजार हिस्से, रोजगार, मालसूची, वृद्धि, निवेश आदि सहित प्रमुख निष्पादन संबंधी संकेतकों के अनुसार सुधार हुआ है। यद्यपि प्रारंभिक जांच परिणामों में यह दावा किया गया है कि बिक्री कीमत, लाभ और निवेश पर आय के संबंध में कीमत निष्पादन संकेतक ऋणात्मक हैं तथापि, यह स्पष्ट है कि निष्पादन संबंधी सभी संकेतकों को यद्यपि वे सकारात्मक नहीं हैं, तथापि, उन्हें एक साथ लिया गया है और निष्पादन संबंधी संकेतकों में उल्लिखित वास्तविक क्षति का दावा निर्णय की दृष्टि से द्रष्टि है।

36. इस बात पर ध्यान देते हुए कि बाजार के 60% हिस्से को घरेलू उत्पादन और उसकी बढ़ती हुई प्रवृत्ति के अनुसार लिया गया है, यह संदेहस्पद है कि घरेलू उत्पाद की तुलना में आयात का कीमतों पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। वस्तुतः घरेलू उत्पादन के अत्यधिक बाजार हिस्से से यह पता चलता है कि गिरावट सहित निर्यात कीमतों का घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के बजाए बेहतर अंतर होना चाहिए।

37. एच के एस ए आर जी का आगे यह मानना है कि डी वी डी उत्पादों की बिक्री कीमत में गिरावट भारत और विश्व भर में एक सामान्य वैश्विक प्रवृत्ति है इसलिए भारतीय प्राधिकारी द्वारा भारतीय उद्योग की निर्यात कीमत और डी वी डी उत्पाद की वैश्विक कीमत की जांच की जाए ताकि कीमत में गिरावट के वास्तविक कारण की पुष्टि की जा सके लेकिन इसका कारण प्रादित आयातों को न माना जाए।

38. मोजरबेयर जिसका घरेलू उत्पादन में सबसे बड़ा हिस्सा है, ने 31 मार्च, 2007 को समाप्त वित्त वर्ष में वित्तीय रूप से बेहतर निष्पादन किया है। यह शंकास्पद है कि क्या मोजरबेयर का वित्तीय निष्पादन में जांच अवधि (अप्रैल, 2006—जून, 2007) भारी अंतर आएगा। यह इस दावे का विरोधाभासी हो सकता है कि मोजरबेयर को क्षति हुई है। यद्यपि, वित्तीय बाटे का दावा आंशिक रूप से घरेलू बाजार के संबंध में किया गया है, तथापि संगत वित्तीय आंकड़े की जांच वित्तीय विवरण के साथ समग्र परिप्रेक्ष्य में की जानी चाहिए।

39. कुल घरेलू हिस्से में समस्त आयातों के 38.7 % के हिस्से में से हांगकांग के आयातों का हिस्सा केवल 4.6% है और इसलिए हांगकांग डी वी डी उत्पादों की बाजार कीमत पर अत्यधिक प्रभाव डालने की स्थिति में नहीं है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

40. हांगकांग के लिए आरोपित पाटन मार्जिन चीन जन. गण., हांगकांग और चीनी ताइपेई में सबसे कम है, दूसरी ओर हांगकांग के लिए अंतिम शुल्क भी इनमें किसी से भी कम नहीं है।

#### ड. 4. प्राधिकारी द्वारा जांच

41. प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित करने से पूर्व प्राधिकारी ने एच के एस ए आर जी और एमकेट के तर्कों को नोट किया था। यह भी नोट किया गया था कि एच के एस ए आर जी ने उत्पादन की अनुमानित लागत उपलब्ध कराई है। आगे यह नोट किया गया था कि उत्पादन की अनुमानित लागत किसी समर्थकारी साक्ष्य के बिना उपलब्ध कराई गई थी। उत्पादन की अनुमानित लागत के लिए प्राधिकारी ने कच्ची सामग्री की कीमतों के बारे में सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध आंकड़ों पर भरोसा किया। उपयोगिताओं के बारे में एच के एस ए आर जी द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर भरोसा किया गया था। अन्य सूचना के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों में यह उल्लेख किया गया था कि यदि एच के एस ए आर जी द्वारा वास्तविक विनिर्माता और आंकड़े उपलब्ध कराए जाते हैं तो उन पर स्थापन के बाद भरोसा किया जाएगा। यह नोट किया गया है कि ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है।

42. अहां तक घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित अनुसंधानों का प्रश्न है, प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का विश्लेषण घरेलू उद्योग के स्थापित आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

43. एच के एस ए आर जी ने इस बात पर आपत्ति व्यक्त की है कि प्रारंभिक जांच परिणामों में आंतरिक परिवहन पर प्रभाव चीन के मुख्य भूभाग की तुलना में हांगकांग और चीनी ताइपेई के लिए कम होना चाहिए। इस संबंध में आंतरिक परिवहन के लिए समायोजन को अब संशोधित किया गया है और उसे हांगकांग एवं चीनी ताइपेई के मामले में 0.1% की दर से किया गया है। संशोधित गणनाओं को निर्यात कीमत की गणना में दर्शाया गया है।

44. हांगकांग पर उच्चतर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है यद्यपि चीनी ताइपेई की तुलना में हांगकांग के मामले में भारित पाटन मार्जिन कम है। प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि भारित पाटन मार्जिन का उल्लेख निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में किया गया है। चूंकि निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का मूल्य अलग-अलग है, इसलिए % के रूप में व्यक्त भारित पाटन मार्जिन से समग्र रूप में वास्तविक पाटन मार्जिन का पता नहीं चलता है, अतः निर्यात कीमत के % के रूप में व्यक्त पाटन मार्जिन से अन्य देशों के वास्तविक पाटन मार्जिन का पता नहीं चलता है। तथापि, यह शुल्क समग्र रूप में वास्तविक पाटन मार्जिन के आधार पर लगाया गया है।

### च. पाटन मार्जिन की संगणना हेतु कार्य प्रणाली

#### सामान्य मूल्य

#### च.1. चीन जन.गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

45. चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और उन्होंने सामान्य मूल्य तथा बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का अनुमान अखण्डित रहता है। अतः प्राधिकारी ने "किसी अन्य यथोचित आधार पर" की पद्धति का उपयोग करते हुए अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। इस प्रयोजनार्थ वर्ल्ड ट्रेड एटलस से ली गई प्रमुख कच्ची सामग्री, पालीकार्बोनेट की कीमत को चीन जन.गण. से औसत निर्यात कीमत के रूप में माना गया है। अन्य कच्ची सामग्री की कीमत, कच्ची सामग्री हेतु खपत मानदंडों, उपयोगिताओं और परिवर्तन लागत को भारत में घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है। इसके लिए लागत तथा 5% के लाभ को सामान्य मूल्य के परिकलन में जोड़ा गया है। इस कार्य प्रणाली द्वारा चीन जन.गण. हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

मूल्य प्रति '000 नग अम.डा. में

सामान्य मूल्य	केक बॉक्स	बीओएस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी-आर डब्ल्यू		***

#### च. 2. हांगकांग के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

46. हांगकांग के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और उन्होंने सामान्य मूल्य तथा बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। निर्यातकों की ओर से असहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। एक्केएसएआरजी ने किसी सभ्यकारी दस्तावेजी साक्ष्य के बिना हांगकांग में उत्पादन की लागत हेतु सूचना उपलब्ध कराई है। उपलब्ध कराई गई सूचना से प्राधिकारी ने उपयोगिता के संबंध में कीमतों पर भरोसा किया है। वर्ल्ड ट्रेड एटलस से ली गई प्रमुख कच्ची सामग्री, पालीकार्बोनेट की कीमत को हांगकांग से औसत निर्यात कीमत के रूप में माना गया है। अन्य कच्ची सामग्री की कीमत, कच्ची सामग्री हेतु खपत मानदंडों, उपयोगिताओं और परिवर्तन लागत को भारत में घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है। इसके लिए लागत तथा 5% के लाभ को सामान्य मूल्य के परिकलन में जोड़ा गया है। इस कार्य प्रणाली द्वारा हांगकांग हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

मूल्य प्रति '000 नग अम.डा. में

सामान्य मूल्य	जेवेल केस	केक बॉक्स	बीओएस
डीवीडी-आर		***	***
डीवीडी-आर डब्ल्यू	***		

47. प्रारंभिक जांच परिणामों में यह सूचित किया गया था कि यदि एक्केएसएआरजी वास्तविक विनिर्माता के बारे में सूचना/आंकड़ा उपलब्ध कराता है तो सत्यापन के बाद उन पर भरोसा किया जाएगा, तथापि ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है इसलिए उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य पर इस जांच परिणाम में भरोसा किया गया है।

#### च. 3. चीनी ताइपेई के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

48. चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और उन्होंने सामान्य मूल्य तथा बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। निर्यातकों की ओर से असहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। इस प्रयोजनार्थ वर्ल्ड ट्रेड एटलस से ली गई प्रमुख कच्ची सामग्री,



मॉलीब्डेन की कीमत को चीनी ताइपेई से औसत निर्यात कीमत के रूप में माना गया है। अन्य कच्ची सामग्री की कीमत, कच्ची सामग्री हेतु खपत मानदंडों, उपयुक्तताओं और परिवर्तन लागत को भारत में घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है। इसके लिए लगभग 5% के स्तर को सामान्य मूल्य के परिकलन में जोड़ा गया है। इस कार्य प्रणाली द्वारा चीनी ताइपेई हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है :

मूल्य प्रति '000 नग अम.डा. में

सामान्य मूल्य	जैवेल केस	केक बॉक्स	डीओएस
डीवीडी-आर	***	***	***
डीवीडी-आर डब्ल्यू	***	***	***

### निर्यात कीमत

#### च. 4. चीन जन. गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

49. चूंकि चीन जन. गण. के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है इसलिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। यह पाया गया है कि डीवीडी आर तथा डीवीडी आर डब्ल्यू का आयात विभिन्न पैकेजों में किया गया है। डीवीडी आर तथा डीवीडी आर डब्ल्यू के आंकड़ों को अलग-अलग कर अलग-अलग पैकेजिंग हेतु भारत निर्यात कीमत का अलग से निर्धारण किया गया है।

50. कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय (0.25% की दर से) तथा समुद्री भाड़े (0.25% की दर से) के लिए किए गए व्यय को समायोजित किया गया है। समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए सहयोगी आपातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर भरोसा किया गया है। इस कार्य प्रणाली द्वारा कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

मूल्य प्रति '000 नग अम.डा. में

कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत	केक बॉक्स	डीओएस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी-आर डब्ल्यू	***	***

#### च. 5. हांगकांग के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

51. चूंकि हांगकांग के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है इसलिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। यह पाया गया है कि डीवीडी आर तथा डीवीडी आर डब्ल्यू का आयात विभिन्न पैकेजों में किया गया है। डीवीडी आर तथा डीवीडी आर डब्ल्यू के आंकड़ों को अलग-अलग कर अलग-अलग पैकेजिंग हेतु भारत औसत निर्यात कीमत का अलग से निर्धारण किया गया है।

52. कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय (0.25% की दर से) तथा समुद्री भाड़े (0.25% की दर से) के लिए किए गए व्यय को समायोजित किया गया है। समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए सहयोगी आपातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर भरोसा किया गया है। इस कार्य प्रणाली द्वारा कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

मूल्य प्रति '000 नग अम.डा. में

कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत	जैवेल केस	केक बॉक्स	डीओएस
डीवीडी-आर	***	***	***
डीवीडी-आर डब्ल्यू	***	***	***

#### च. 6. चीनी ताइपेई के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

53. चूंकि चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है इसलिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है।

459561/08-2

है। यह पाया गया है कि डीवीडी आर तथा डीवीडी आर डब्ल्यू का आयात विभिन्न पैकेजों में किया गया है। डीवीडी आर तथा डीवीडी आर डब्ल्यू के आंकड़ों को अलग-अलग कर अलग-अलग पैकेजिंग हेतु भारत औसत निर्यात कीमत का अलग से निर्धारण किया गया है।

54. कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पटन व्यय (0.25% की दर से) तथा समुद्री भाड़े (0.1% की दर से) के लिए किए गए व्यय को समायोजित किया गया है। समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए सहयोगी आयातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर भरोसा किया गया है। इस कार्य प्रणाली द्वारा कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

मूल्य प्रति '000 नग अम.डा. में

कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत	ज्वेल केस	केक बॉक्स	बीओएस
डीवीडी-आर	***	***	***
डीवीडी-आर डब्ल्यू	***	***	***

#### च. 7. पाटन मार्जिन

55. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है :

चीन जन. गण.

मूल्य प्रति '000 नग अम.डा. में

	डीवीडी आर		डीवीडी आर डब्ल्यू	भारत औसत
	केक बॉक्स	बीओएस	बीओएस	
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन (%)	***	***	***	64.72

#### हांगकांग

मूल्य प्रति '000 नग अम.डा. में

	डीवीडी आर		डीवीडी आर डब्ल्यू	भारत औसत
	केक बॉक्स	बीओएस	ज्वेल केस	
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन (%)	***	***	***	62.96

## चीनी ताइपेई

मूल्य प्रति 1000 नया अम. डा. में

	डीवीडी-आर			डीवीडी आरडब्ल्यू			भारत औसत
	जेवेल केस	केक बॉक्स	डीओएस	जेवेल केस	केक बॉक्स	डीओएस	
सामान्य मूल्य	***	***	***	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन (%)	***	***	***	***	***	***	63.50

56. इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक और न्यूनतम सीमा से ज्यादा है।

## छ. क्षति निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध की जांच हेतु कार्य प्रणाली

## क्षति निर्धारण

57. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संबंध देशों से समूचे आयातों को पाटित आयात के रूप में माना गया है।

## छ.1. घरेलू उद्योग के अनुरोध

58. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं :

- विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन की सुलभता में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान भी प्रति माह औसत आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है। परिणामतः बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में घास हो रहा था।
- यद्यपि इस अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है तथापि इन मानदंडों में वृद्धि इस उत्पाद हेतु पूर्व रूप में प्रत्याशित मांग में पर्याप्त वृद्धि के परिणामस्वरूप हुई थी। तथापि, घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सा गंवाया है।
- आयातों द्वारा पैदा किए गए पर्याप्त कीमत संबंधी दबाव के कारण इस अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।
- इस अवधि के दौरान निवेश पर आय और नकदी प्रवाह में भी पर्याप्त कमी आई है। घरेलू उद्योग ने नकारात्मक आय का सामना किया।
- घरेलू उद्योग की माल सूचियों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति केवल बिक्री कीमत में कटौती एकमात्र कारण पर विचार करते हुए हुई है कि आयात कीमत में गिरावट आई है।

## छ.2. अन्य हितबद्ध पार्टियों के अनुरोध

59. क्षति के बारे में अन्य हितबद्ध पार्टियों के अनुरोधों को इस जांच परिणाम के 13 से 40 तक के संगत पैराओं में दर्ज किया गया है।

## छ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

60. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त विचार को भीट किया है और यह नोट किया है कि घरेलू उद्योग का क्षति विश्लेषण वास्तविक सत्यापित आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

#### छ.4. क्षति का संचयी मूल्यांकन

61. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II(iii) में यह अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में जहां उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों के साथ-साथ चल रही पाटनरोधी जांच के अध्वधीन है जब निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेगा यदि यह निर्धारित होता है कि:

- (क) अलग-अलग देशों से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- (ख) अलग-अलग देशों के लिए पाटन मार्जिन 2% से अधिक है; तथा
- (ग) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की शक्तों के आलोक में उचित है।

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों सहित विभिन्न देशों से पाटित आयात एक ही साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। अतः इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी मूल्यांकन के मुद्दे की जांच उपर्युक्त मापदंडों के संबंध में की गई है और यह पाया गया था कि:

- (i) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से अलग-अलग उत्पादों के पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- (ii) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से अलग-अलग उत्पादों के आयातों की मात्रा पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- (iii) संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है;

63. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि इस मामले में क्षति का संचयी निर्धारण उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से हुए अलग-अलग उत्पादों के आयात आपस में और भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु के साथ भी सीधी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

#### छ.5. क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

64. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति संबंधी जांच में ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के लिए बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए "..... घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संकेत मिलता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह आवश्यक समझा जाता है कि इस बात की जांच की जाए कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में पर्याप्त स्तर तक अन्यथा गिरावट आई अथवा उसमें होने वाली उस वृद्धि में गिरावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

65. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच हेतु उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया।

66. उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसे उपर्युक्त घरेलू उद्योग पर प्रभाव डालने वाले सभी आर्थिक मापदंडों पर निम्नानुसार विचार किया गया है।

#### छ.6. पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव : आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

##### (1) आयात मात्रा

67. डीवीडी का विशेष रूप से आयात सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 8523.40.80 के अंतर्गत किया जाता है। प्राधिकारी को याचिकाकर्ता तथा डीजीसीआई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए इम्पैक्स स्टैटिक्स से आयातों के सौदे-वार आंकड़ों से यह पता चलता है कि आयात विभिन्न सीमाशुल्क टैरिफ शीर्षों के अंतर्गत किए गए हैं। विश्लेषण हेतु डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया गया है।

68. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

69. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त सौदे-वार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। जांच की शुरुआत के समय इम्पैक्स स्टैटिक्स से आवेदक द्वारा प्राप्त आंकड़ें उपलब्ध कराए गए थे जिन पर भरोसा किया गया था। डीजीसीआई एंड एस से आंकड़ें प्राप्त होने के बाद यह देखा गया था कि आयात इम्पैक्स स्टैटिक्स में सूचित आयातों की मात्रा से काफी अधिक थे। अतः इस जांच और क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त आंकड़ों पर भरोसा किया गया है। आंकड़ों से यह देखा गया है कि आयातों में डीवीडी-आर के आयातों की प्रचुर मात्रा है। यह भी देखा गया है कि आयात विभिन्न पैकिंग अर्थात् जेवेल केस, केक बॉक्स और बीओएस में किए गए थे। तथापि, प्रमुख आयात बीओएस के पैक में किए गए थे।

70. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का निर्यात व निर्यात के संबंध में

(ii) आयात बाज़ार एवं संबद्ध देश का हिस्सा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
आयात						
चीन जन.गण.	लाख गज	1.30	9.28	150.94	234.63	203.45
हांगकांग	लाख गज	—	19.22	53.89	89.97	66.75
ताइवान	लाख गज	47.97	100.32	224.77	211.31	168.14
अन्य देश	लाख गज	1.60	6.93	26.14	158.19	118.35
संबद्ध देश	लाख गज	49.27	125.82	409.60	644.99	589.79
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	180	261	851	898	880
कुल आयात	लाख गज	50.88	135.76	435.74	633.78	548.13
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	267	854	1,077	1,071
बाज़ार हिस्सा						
चीन जन.गण.	%	2.56	8.84	34.64	37.16	37.18
हांगकांग	%	—	14.16	7.78	11.52	8.15
ताइवान	%	94.29	73.99	51.58	39.65	38.95
अन्य देश	%	3.15	5.11	6.00	20.47	20.47
संबद्ध देश के संबंध में आयात	%	96.85	94.89	94.00	79.83	79.83
उत्पादन	%	7.13	5.11	6.37	4.53	6.38
खपत	%	95.24	70.81	61.38	35.81	38.83

71. आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयात वर्ष 2003-04 में 49.27 लाख गज के आयात के आधारे में 137.82 (वार्षिक) हो गए हैं जिससे आयात वर्ष की तुलना में आधारे वर्ष के दौरान आयातों में भारी वृद्धि का पता चलता है। आयात के आधारे से यह पता चलता है कि आयातों में मुख्यतः डीपीडी आर शामिल हैं। डीपीडी-आर वस्तु के आयात कुल आयात के लगभग 94% हैं। यह भी पता चलता है कि डीपीडी के आयात अलग-अलग पैकेज रूपों में किए गए थे। तथापि, आयातों में मुख्यतः आयात के आधारे में डीपीडी शामिल हैं। कुल आयात के 87% थे। अन्य पैकेज जेकल केस और केस बाक्स के रूप में थे। यह देखना गलत है कि आयातों में संपूर्ण रूप से डीपीडी शामिल हैं। खपत की तुलना में इनमें आयात वर्ष से लेकर आधारे वर्ष तक गिरावट आई है।

मांग और बाज़ार हिस्सा

(iii) मांग में वृद्धि

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
घरेलू उद्योग	लाख गज	0.86	46.16	112.70	112.70	112.70
कुल आयात	लाख गज	50.88	135.76	435.74	633.78	548.13
अन्य भारतीय उत्पादक	लाख गज	—	—	19.17	19.17	19.17
कुल मांग	लाख गज	51.74	135.76	454.87	652.95	567.87

72. संबद्ध वस्तु की मांग का निर्धारण भारतीय उद्योग की घरेलू बिक्री और सभ्य देशों से हुए आयातों को जोड़कर किया गया है। आंकड़ों से इस प्रवृत्ति का पता चलता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि हो रही थी। यह उत्पाद स्वयं हाल का उद्गम है और इस प्रकार की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है।

(iv) घरेलू उद्योग का उत्पादन

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
क्षमता	लाख नग	1,400	4,800	9,683	15,523	12,418.34
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	343	706	887	887
उत्पादन	लाख नग	691	2,521	6,435	12,097	9,677.76
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	365	931	1,400	1,400
क्षमता उपयोग	%	49.38	52.51	65.10	77.93	77.93
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	132	158	158

73. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि हुई है।

(v) घरेलू उद्योग की बिक्री

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग	लाख नग	0.86	46.16	212.70	1,061.65	849.32
निर्यात बिक्री	लाख नग	501.40	2,022.00	3,613.17	9,805.99	7,844.79

74. बिक्री के आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2003-04 के दौरान संबद्ध वस्तु के 0.86 लाख नगों की बिक्री की और जांच अवधि में यह मात्रा वार्षिक रूप से बढ़कर 849.32 लाख नग हो गई। समूची जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हो रही है।

(vi) मांग और बाजार हिस्सा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
आकलित मांग	लाख नग	51.74	181.92	667.61	2,769.89	1,415.92
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	352	1,290	2,737	2,737
संबद्ध देशों से आयात	लाख नग	49.27	128.82	409.60	546.99	437.59
अन्य देशों से आयात	लाख नग	1.60	6.93	26.14	138.19	110.55
घरेलू उद्योग की बिक्री	लाख नग	0.86	46.16	212.70	1,061.65	849.32
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	लाख नग	—	—	19.17	23.06	18.45
मांग में बाजार हिस्सा						
संबद्ध देशों से आयात	%	95.24	70.81	61.35	30.91	30.91
अन्य देशों से आयात	%	3.10	3.81	3.92	7.81	7.81
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	1.67	25.37	31.86	59.98	59.98
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	—	—	2.87	1.30	1.30
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रु./नग	****	***	***	***	***

75. संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धिकारी प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। आधार वर्ष 51.74 लाख मणों से बढ़कर जांच अवधि में 1416 लाख मण (वार्षिक) हो गई है। इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 1.67% से बढ़कर 39.98% हो गया है। जबकि संबद्ध देशों का हिस्सा 95% से घटकर 31% हो गया है। इसके अलावा, आपातों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में वृद्धि हुई है। यह देखा गया है कि आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में तेजी से गिरावट आई है।

छ.7. संबद्ध देशों से पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत संबंधी प्रभाव

(i) विचाराधीन अवधि की तुलना में कीमत का मूल्यंकन

निर्यात कीमत	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
संबद्ध देश	र./मण	5.24	4.70	3.94	4.89
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	75	93
बिक्री कीमत	र./मण	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	39	19	17
पोलीकार्बोनेट कीमत	र./किग्रा.	79.08	87.53	128.58	127.09
कच्चे मांस की लागत	र./मण	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	114	90

\*स्रोत :—वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़े।

76. निर्यात कीमत के आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक संबद्ध देशों की कीमत में गिरावट आई है। वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों से यह देखा गया है कि इसी अवधि के दौरान प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् पॉलीकार्बोनेट की कीमत में संबद्ध देशों में वृद्धि हुई है। यद्यपि यह माना जाता है कि प्रारंभिक चरण होने के कारण वर्ष 2003-04 में कीमतें काफी अधिक थीं। तथापि, यह देखा जाता है कि कीमतों में वर्ष 2004-05 तथा 2005-06 के बीच भी तेजी से गिरावट आई है। इसके अलावा, जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष के बीच की कीमतों में पर्याप्त गिरावट आई है।

(ii) कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव

बिक्री कीमत-घरेलू उद्योग	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
1	2	3	4	5	6
डीवीडी-आर	र./मण	***	***	***	***
डीवीडी-आरडब्ल्यू	र./मण	***	***	***	***
डीवीडी (आर एंड आरडब्ल्यू)	र./मण	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	33	19	17
पहुंच मूल्य					
डीवीडी-आर	र./मण	5.70	4.44	3.94	4.80
डीवीडी-आरडब्ल्यू	र./मण	8.42	8.12	4.21	6.52
डीवीडी (आर एंड आरडब्ल्यू)	र./मण	5.71	4.89	3.94	4.89
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86	69	86
कीमत कटौती					
डीवीडी-आर	र./मण	***	***	***	***
डीवीडीआर-आरडब्ल्यू	र./मण	***	***	***	***
डीवीडी (आर एंड आरडब्ल्यू)	र./मण	***	***	***	***
कीमत कटौती					
डीवीडी-आर	%	***	***	***	***
डीवीडी-आरडब्ल्यू	%	***	***	***	***
डीवीडी (आर एंड आरडब्ल्यू)	%	***	***	***	***
एनआईपी	र./मण				***
कम कीमत पर बिक्री	र./मण				***
उत्पादन की लागत	र./मण	***	***	***	***

77. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास तथा कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारत औसत पद लागत, भारत औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) तथा क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना में संबद्ध देशों से आयात की पहुंच लागत के साथ की गई है।

78. घरेलू उद्योग की भारत निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित रिबेट, छूट और कमीशन और भुगतान किया गया केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की रिबेट दी गई है।

79. बिक्री कीमत की प्रवृत्ति से पता चलता है कि यह वर्ष 2004-05 में 33% से घटकर आधार वर्ष (सूचीबद्ध 100) की तुलना में जांच अवधि में 17% हो गई।

80. कीमत कटौती का निर्धारण समूची क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारत औसत पहुंच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारत औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ करते हुए किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों को डिब्बाबंद रूप और खुले रूप में अलग-अलग किया गया है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना (संगत वर्षों के लिए) 1% हैंडलिंग प्रभार तथा प्रयोज्य मूल्य सीमाशुल्क को संबद्ध देशों से आयात कीमतों के बारे में डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में सूचित मूल्य को जोड़कर की गई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भारत औसत कटौती डिब्बाबंद उत्पाद के लिए 40-50% के बीच और बीओसी में हुए आयातों के लिए 15-25% के बीच रही थी।

81. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों के भारत औसत पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है। भारत औसत कम कीमत पर बिक्री जांच अवधि के दौरान 50-60% के बीच रही थी।

### (III) पाटित आयातों का कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव

82. पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी प्रभाव की जांच भी उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य के संदर्भ में की गई है।

83. उत्पादन लागत की प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री की भारत औसत लागत में 8.27 रुपए/नग की गिरावट आई है जबकि इसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 35.56 रुपए/नग की गिरावट आई है जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण कीमत कम करने के लिए भारी दबाव में था।

### छ.8. क्षति संबंधी अन्य मापदंडों की जांच

84. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री और विभिन्न खंडों के बाजार हिस्से के साथ मांग की पद्धति की जांच पूर्ववर्ती भाग में किए जाने के बाद घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी को दर्शाने वाले अन्य आर्थिक मापदंडों का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :

### (1) लाभ तथा नकदी प्रवाह पर वार्षिक एवं संभावित प्रभाव

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
बिक्री (एनएसआर)	र./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	33	19	17
बिक्री की लागत	र./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	60	54	50
कर पूर्व लाभ	र./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	17	(3)	(4)
व्याज पूर्व लाभ	र./लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	942	(189)	(2,100)
अंशदान	र./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	33	19	17
कर पूर्व कुल लाभ	र./लाख	***	***	***	***
व्याज पूर्व कुल लाभ	र./लाख	***	***	***	***
नकद लाभ	र./नग	***	***	***	***



85. आंकड़ों से पता चलता है कि घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत में क्षति अवधि के दौरान काफी गिरावट आई है। तुलना हेतु वर्ष 2003-04 पर विचार करना उचित नहीं हो सकता है क्योंकि लागत असामान्य रूप से अधिक थी क्योंकि वह घरेलू उद्योग के उत्पादन का पहला वर्ष था। वर्ष 2004-05 से जांच अवधि तक परिवर्तन लागत और पॉलीकार्बोनेट से इतर कच्ची सामग्री की लागत में गिरावट के कारण बिक्री लागत में 1.58 रु./नग की गिरावट आई है। इसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 7 रु./नग से अधिक की कमी आई है जिसमें बिक्री लागत की तुलना में बिक्री कीमत में अनुपातिक कमी होने का संकेत मिलता है। कर पूर्व लाभ में पूरी क्षति अवधि के दौरान सतत आधार पर गिरावट आई है। यद्यपि घरेलू उद्योग 2005-06 तक लाभ कमा रहा था तथापि उसके बाद उसे घाटा हुआ है। इसके अलावा बेची गई मात्रा हेतु कर पूर्व घाटे में जांच अवधि में काफी वृद्धि हुई थी।

## (ii) निवेश पर आय

	इकाई	2003-2004	2004-2005	2005-2006	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
लगाई गई पूंजी (एनएफए)	लाख रु.	***	***	***	***	***
पीबीआईटी	लाख रु.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	942	(189)	(1,680)	(1,680)
लगाई गई पूंजी आय	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	59	(7)	(19)	(19)

86. लगाई गई पूंजी की गणना प्रति इकाई उत्पादन के रूप में की गई है और घरेलू बिक्रियों हेतु लगाई गई पूंजी ज्ञात करने के लिए उसमें घरेलू बिक्री की मात्रा से गुणा किया गया है। लगाई गई पूंजी पर आय संबंधी आंकड़े यह दर्शाते हैं कि क्षति अवधि के दौरान आय में तेजी से गिरावट आई है। इसके अलावा यद्यपि 2004-05 तक उद्योग की आय सकारात्मक थी तथापि 2005-06 से घरेलू उद्योग नकारात्मक आय से नुकसान उठा रहा है।

## (iii) रोजगार

	इकाई	2003-2004	2004-2005	2005-2006	जांच अवधि
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	127	159

87. घरेलू उद्योग की विनिर्माण सुविधा में संबद्ध वस्तु और इस जांच में नहीं शामिल अन्य उत्पादों दोनों का विनिर्माण होता है। कर्मचारियों की संख्या समग्र रूप से पूरे संयंत्र हेतु ली गई है। उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में 59% की वृद्धि हुई है।

## (iv) उत्पादकता

88. विचाराधीन उत्पाद और अन्य उत्पादों के लिए विनिर्माण सुविधा साझी है और इसलिए यह माना गया है कि प्रति कर्मचारी उत्पादकता से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में स्थिति उचित ढंग से प्रदर्शित नहीं होगी।

## (v) मालसूची

	इकाई	2003-2004	2004-2005	2005-2006	जांच अवधि
औसत मालसूची	लाख नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	437	966	1,868

89. उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि औसत मालसूची में अनेक वर्षों से काफी वृद्धि हुई है। तथापि दैनिक बिक्री की संख्या के अनुसार मालसूची में आधार वर्ष से जांच अवधि में भारी कमी आई है।

459542/08-3

**(vi) वृद्धि**

90. मांग में वृद्धि के आधार वर्ष से जांच अवधि तक वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। उत्पादन और बिक्री में वृद्धि सकारात्मक रही थी। तथापि लागत, बिक्री कीमत, लाभप्रदता और निवेश पर आय में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

**(vii) निवेश**

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु और अन्य वस्तुओं हेतु क्षमता में वृद्धि करने के लिए नई पूंजी का निवेश किया था।

**(viii) पाटन की मात्रा**

92. उस सीमा तक जहां तक पाटित आयात घरेलू उद्योग की क्षति का कारण हो सकते हैं, के संबंध में पाटन की मात्रा यह दर्शाती है कि जांच अवधि के लिए नामित संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

**(ix) कीमत को प्रभावित करने वाले कारक**

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत में गिरावट आई है। वर्ष 2004-05 से जांच अवधि तक बिक्री लागत में 1.58 रु./नग की गिरावट आई है। इस अवधि के दौरान सर्वप्रथम वर्ष 2005-06 में संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य में गिरावट आई परंतु जांच अवधि में इसमें वृद्धि हुई जो वर्ष 2004-05 में प्रचलित पहुंच मूल्य के स्तर तक पहुंच गया। इस अवधि के दौरान कीमत कटौती काफी अधिक बनी रही। तथापि जहां तक घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट का संबंध है, इस कीमत कटौती में वर्ष 2004-05 से जांच अवधि तक गिरावट आई। घरेलू तथा आयातित उत्पाद के बीच पर्याप्त कीमत अंतर के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई। घरेलू उद्योग निरंतर बिक्री कीमत में कमी करने के लिए बाध्य हुआ और कीमत में ऐसी गिरावट उत्पादन लागत से भी कम बनी रही।

**छ.9. अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध**

94. प्राधिकारी ने नियमों में किए गए उपबंध के अनुसार कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारणेतर कारकों के मुद्दे की भी जांच की है ताकि अन्य कारकों से क्षति, यदि कोई हुई हो, को अलग किया जा सके। इस संबंध में नियमों में यथानिर्धारित निम्नलिखित सांकेतिक कारकों की जांच की गई है।

**(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत**

95. जांच अवधि के दौरान गैर-जांचाधीन देशों से आयात कुल आयतों के 20% रहे थे। कुछ देशों से हुए आयातों द्वारा भी घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती की जा रही थी। तथापि, एक देश को छोड़कर, जिसका हिस्सा कुल आयातों का 8.5% था, इन देशों से आयातों की मात्रा न्यूनतम रही थी। प्राधिकारी ने यह पाया कि अन्य देशों से आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही थी जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का भी कारण माना जा सकता है।

**(ii) मांग में कमी, खपत की पद्धति में परिवर्तन तथा प्रौद्योगिकी सुधार**

96. प्रौद्योगिकी में आगे और विकास तथा बाजार में नए उत्पाद के कारण संबद्ध वस्तु की खपत पद्धति में इस उत्पाद के पक्ष में परिवर्तन हो रहा है। क्षति अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तु ने उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित की है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कुल मांग में उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

**(iii) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा**

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसा कोई प्रतिबंधात्मक व्यवहार प्रचलन में नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

**(iv) निर्यात निष्पादन**

विवरण	इकाई	2003-2004	2004-2005	2005-2006	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
निर्यात बिक्री	लाख नग	501	2,022	5,613	9,806	7,845
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	403	1,120	1,565	1,565

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में वृद्धि हो रही है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के लिए वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण केवल घरेलू उद्योग के लिए किया गया है।

**(v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता**

99. प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता का आकलन नहीं किया जा सकता क्योंकि संबद्ध वस्तु और जांच से इतर अन्य वस्तु का विनिर्माण एकसमान विनिर्माण सुविधा के तहत किया जाता है।

100. यह उल्लेख किया गया है कि डीवीडी उत्पाद की बिक्री कीमत में गिरावट भारत और समूचे विश्व में व्याप्त एक आम वैश्विक प्रवृत्ति है; इसलिए प्राधिकारी को कीमत में गिरावट के सही कारण की जांच करनी चाहिए और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट का सबसे बड़ा कारण पाटित आयातों को नहीं मानना चाहिए। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि डीवीडी उत्पाद की बिक्री में वैश्विक गिरावट घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक कारक हो सकता है।

101. ऐसा कोई अन्य कारक प्राधिकारी की जानकारी में नहीं आया जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण माना जा सके।

**छ.10. कारणात्मक संबंध**

102. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2006-07 तक कीमत कटौती इतनी अधिक हुई थी जिससे घरेलू उद्योग कीमतें कम करने के लिए बाध्य हुआ था। यद्यपि जांच अवधि में औसत आयात कीमत में वृद्धि हुई थी तथापि मौजूदा कीमत कटौती की मात्रा के कारण घरेलू उद्योग कीमत में आगे और कमी करने के लिए बाध्य हुआ ताकि घरेलू तथा आयातित उत्पाद के बीच अंतर को पाटा जा सके और उच्चतर मात्रा में बिक्री की जा सके। आयात कीमत द्वारा कटौती के परिणामस्वरूप बिक्री कीमत में आई गिरावट से लाभ/हानि, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में विकृति आई। यद्यपि घरेलू उद्योग कम मात्रा के बावजूद वर्ष 2003-04 तथा 2004-05 में लाभ कमा रहा था तथापि घरेलू उद्योग वर्ष 2005-06 में वित्तीय घाटे की स्थिति में पहुंचने के लिए बाध्य हुआ जो जांच अवधि में आगे और खराब हो गई। इस प्रकार लाभप्रदता, निवेश पर आय तथा नकदी प्रवाह में गिरावट संबद्ध देशों से पाटन के परिणामस्वरूप आई थी।

103. जहां तक एचकेएसएआरजी द्वारा उठाए गए इस मुद्दे का संबंध है, कि घरेलू उद्योग का घरेलू बाजार में भारी हिस्सा है और निर्यात कीमत घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित कीमत के अनुरूप होनी चाहिए थी, यह नोट किया गया है कि भारी भरकम हिस्से के साथ घरेलू उद्योग कीमत में कमी नहीं करना चाहेगा जिससे कि उसके वित्तीय निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। स्पष्ट तौर पर घरेलू उद्योग को बाजार में कीमत कम करने के लिए बाध्य किया गया है।

104. यह तर्क दिया गया है कि डीवीडी उत्पाद की कीमत में वैश्विक गिरावट घरेलू उद्योग की कीमत में गिरावट का एक कारण हो सकती है। तथापि, इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह उन कारणों में से एक कारण नहीं हो सकता जिससे घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रभाव पड़ा हो। परंतु संबद्ध देशों के किसी निर्यातक की ओर से किसी प्रकार के सहयोग के अभाव में आयातों द्वारा कीमत कटौती और अनुमानित पाटन मार्जिन से यह संकेत मिलता है कि पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

105. उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु का आयात उसके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत तथा घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की औसत निवल बिक्री प्राप्ति से कम कीमत पर किया गया है और उससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जिससे संबद्ध वस्तु के पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई कारणात्मक संबंध का पता चलता है।

**ज. निष्कर्ष**

106. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :

- (क) संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

**झ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे**

107. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

**ट. सिफारिशें**

108. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ऐसा आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित स्वरूप और ढंग से अंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

109. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए वह पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

### शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ मद	माल का विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	8523	डिजिटल वसेंटाइल डिस्क रिकॉर्डेबल (कृपया नीचे टिप्पणी देखें)	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	68.11	प्रति 1000 नग	अम.डा.
2.	वही	वही	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से इतर कोई देश	कोई	कोई	68.11	प्रति 1000 नग	अम.डा.
3.	वही	वही	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	68.11	प्रति 1000 नग	अम.डा.
4.	वही	वही	हांगकांग	हांगकांग	कोई	कोई	66.72	प्रति 1000 नग	अम.डा.
5.	वही	वही	हांगकांग	हांगकांग से इतर कोई देश	कोई	कोई	66.72	प्रति 1000 नग	अम.डा.
6.	वही	वही	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	हांगकांग	कोई	कोई	66.72	प्रति 1000 नग	अम.डा.
7.	वही	वही	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	कोई	कोई	65.63	प्रति 1000 नग	अम.डा.
8.	वही	वही	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई से इतर कोई देश	कोई	कोई	65.63	प्रति 1000 नग	अम.डा.
9.	वही	वही	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	ताइवान	कोई	कोई	65.63	प्रति 1000 नग	अम.डा.

**टिप्पणी :** वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद सभी प्रकार की डिजिटल वसेंटाइल डिस्क रिकॉर्डेबल हैं। ऐसे उत्पाद में डीवीडी-आर, डीवीडी + आर, डीवीडी-आरडब्ल्यू, डीवीडी + आरडब्ल्यू शामिल हो सकते हैं।

110. उपर्युक्त के अधधीन प्राधिकारी 16 जून, 2008 के प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं, तथापि पैरा 109 में संस्तुत शुल्क सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 (2) के अनुसार अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से लागू होगा।

111. इस जांच परिणाम को केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****Final Findings**

New Delhi, the 19th November, 2008

**Subject : Final findings of Anti-dumping investigations on imports of Digital Versatile Discs - Recordable (DVD-R and DVD-RW) from China PR, Hong Kong, and Chinese Taipei.**

**NO. 14/17/2007-DGAD :** Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof :

**A. Background and Initiation**

2. Optical Disc Manufacturers Welfare Association (ODMWA), New Delhi (hereinafter referred to as the Applicant) submitted an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, alleging dumping of Digital Versatile Discs Recordable (DVD-R and DVD-RW) (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from the China PR, Hong Kong, and Chinese Taipei (hereinafter referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti-Dumping investigations for levy of anti-dumping duties on the subject goods. The embassies of subject countries were notified about the receipt of fully documented application as per Rule-5(5).

3. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 20th November, 2007 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

4. The Authority notified its preliminary findings vide Notification dated 16th June, 2008 recommending provisional anti-dumping duty on import of subject goods from the subject countries and acting upon such recommendations of the Authority, the Department of Revenue, vide its notification No. 89/2008—Customs dated 23rd July, 2008 imposed provisional anti-dumping duty on the subject goods.

**B. Procedure**

5. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority :—

- (a) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 20-11-2007 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (b) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.
- (c) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4). The Authority also sent questionnaire concerning Market Economy Treatment to exporters of China PR.
- (d) The Embassies of the subject countries in New Delhi, were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the questionnaire sent to the exporters was also sent to Embassies of subject countries along with the names and addresses of the exporters.
- (e) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI & S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation and data received from DGCI & S have been relied upon in this findings.

- (f) The Authority made available non-confidential version of the evidence as per Rule 6(7) presented by various interested parties in the form of a public file and kept open for inspection by the interested parties.
- (g) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out provisionally so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- (h) In response to the above said notification none of the exporters from the subject countries filed their responses to questionnaire.
- (i) The Govt. of Hong Kong, Special Administrative Region (HKSARG) has submitted information. The information, to the extent possible has been relied upon in the findings. M/s Allied Electronics & Magnetic Ltd., New Delhi has submitted information as an importer. The information has been relied upon in the findings. Other exporters and importers who have not submitted information are being treated as non-cooperating exporters and importers.
- (j) The Designated Authority sent copies of preliminary findings dated 16th June, 2008 to all known interested parties including, the responding importer and users of the subject goods. Embassies of the subject countries in India, and the domestic industry and invited the comments of the interested parties on the preliminary findings. Parties to this investigation were requested to make their views known in writing within 40 days (or extended period) of the notification of preliminary findings.
- (k) The comments of the interested parties in response to the preliminary findings have been taken on record and have been discussed in appropriate sections of the findings.
- (l) The Authority held a public hearing on 14th August, 2008 to provide an opportunity to all interested parties to present their view. Oral submissions made by the parties during the public hearing reproduced in writing have been taken on record for the purpose of this investigation.
- (m) The confidentiality claims of domestic industry in respect of the data submitted by them have been examined. The data concerning costing, customers, prices have been treated as confidential. the information relating to volume of subject goods for the period of investigation has not been treated confidential.
- (n) In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received thereon have also been duly considered in the findings.
- (o) Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 2006 to 30th June, 2007 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods from April 2003—March 2004, April 2004—March 2005, April 2005—March 2006 and the POI.
- (p) \*\*\*in this finding represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

### C. Product under Consideration

7. The product under consideration in the present petition is Recordable Digital Versatile Disc [DVD] of all kinds. DVD can be of a number of types, such as DVD-R, DVD+R, DVD-RW, DVD+RW, mini DVD-R, mini DVD-RW, mini DVD+R, mini DVD+RW, DVD+R DL, DVD-R DL. A DVD can be recorded once or several times. DISC CONSTRUCTION AND MANUFACTURING STEPS OF CONSTRUCTION OF DVD-R AND DVD+R DISCS.

8. DVD-R and DVD+R discs can be either single or double-sided. A single-sided (SS) disc is composed of a recording side and a dummy side while a double-sided (DS) disc consists of two recording sides. The recording side of a DVD-R and DVD+R disc is a sandwich of a number of layers.

**Mastering :** A process of forming a master for optical disks, generally referred to as "mastering", is where a nickel or the like metallic master, i.e., "stamper", is formed at its final step. A large number of optical disks are duplicated with use of the stamper as a mold in a succeeding molding process.

**Moulding :** First comes a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.

**Dye Coater :** In this section an organic dye recording layer (AZO) is applied on blank substrate. This layer acts as recording layer. Dye is applied using spin coating and the metal layers by means of DC sputtering.

**Sputter (Metallizing) :** A metal reflective layer is applied on disc (silver).

**Bonding :** An adhesive then bonds two recording sides (for a double-sided) or a recording and dummy side (for a single-sided) together into the final disc. Some single-sided discs are also topped on the dummy side with decorations or additional layers that provide surfaces suitable for labeling by inkjet, thermal transfer or re-transfer printers. Bonding is done by using a hot melt, UV cationic or free radical process.

**Printing :** Then required printing design is applied by screen printing method.

**Construction of DVD-RW and DVD+RW :** To allow information to not only be written but also re-written many times over, DVD-RW, DVD+RW disc construction is more complex than that of DVD-R and DVD+R (recordable). Just like a recordable disc, a rewritable disc can be either single or double-sided. The recording side of a rewritable disc also uses multiple layers beginning with a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.

Next comes a dielectric layer (zinc sulfide and silicon dioxide), followed by a phase-change alloy recording layer (either indium, silver, tellurium and antimony or germanium, tellurium and antimony), another dielectric layer and a metal reflective layer (silver, silver alloy, aluminum). Additional layers may also be incorporated above or below the dielectric layers (germanium nitride, silicon carbide, silicon dioxide, silicon nitride, zinc sulfide, antimony telluride and others).

The dummy side consists of a flat polycarbonate plastic substrate sometimes with an additional metal layer. An adhesive then bonds the sides together into a single disc.

9. The product is classified under ITC (HS) and Customs Classification No. 8523. The product is import of the subject products is being made under Chapter 8523 of the Customs Classification with the following subheading :

85232920, 85232950, 85232970, 85234040, 85234050, 85234060, 8523408, 8523409, 85238090, 85235290, 85238050, 85239010, 85239040, 85239050 and 85239090.

10. However the above classification is indicative only and is no way binding on the investigation.

#### C.1. Like Article

11. The domestic industry manufactures 'DVD', which is identical to the product under consideration. The goods originating in or exported from the subject countries and produced by the domestic industry are comparable in terms of physical & technical characteristics, functions and uses. The two are technically and commercially substitutable. After preliminary findings, no interested party has raised any issue on the like article, therefore, for the purpose of the present investigation, Digital Versatile Disc produced by the domestic industry is being treated as like article to Digital Versatile Disc imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

#### D. 'Standing' and the Domestic Industry

12. The application has been filed by Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi, (ODMA) on behalf of the domestic industry. There are three producers of the subject goods in India who are also members of ODMA. Moser Baer Ltd. one of the producers of the subject goods has provided all relevant information. The applicant has support of producers accounting for 100% of the domestic production of the subject goods in India, therefore, has desired standing to file the application. Further, production, of Moser Baer who has provided all the information, is above 80% of the Indian production, therefore, constitutes domestic industry within the meaning of rule 2(b) of the Rules.

#### E. Submission made by interested parties

##### E.1. Submission made by the Govt. of Hong Kong Special Administrative Region (HKSARG)

13. No exporter from Hong Kong has responded to the investigation. However, Hong Kong Special Administrative Region (HKSARG) has made the following submissions :

14. Names of the exporters provided in the petition are incorrect. It has also been pointed out that the existence of actual Hong Kong producers exporting DVD R to India appears to be questionable. The HKSARG disputes that "Hong Kong producers have actually exported to India the shipment listed in the Impex Table (annexure 1.5)". However,

the HKSARG has provided information procured from Optical Disc Manufacturing and Technology Association (ODMTA) in respect of Normal value and Export price to market other than India of the Hong Kong DVD R industry. It has also been stated that the information collected from DVD industry in Hong Kong and has been thoroughly verified by ODMTA for submission. It has further been stated that the objective to file the submission is to provide the Authority reliable and accurate information on cost and prices in Hong Kong for determination of Normal value and Export price.

15. The average raw material cost of polycarbonates in Hong Kong is 37% cheaper than the alleged cost as set out in the petition document. The cost of polycarbonates in Hong Kong should be the lowest among the three economies, contrary to the allegation of the petitioner that the cost is the highest in Hong Kong.

16. It has been stated that they have been given to understand that import data in Annexure 1.5 very likely cover "Grade B" products, which are DVD-R being rejected during the quality control process and hence their price is substantially lower than the normal products. Such rejected or substandard goods cannot be considered as a like product of DVD-R meeting the international quality standards and should therefore be dealt with separately. If necessary, ODMTA can provide the normal value of the substandard Grade B products separately, which would be a great deal lower than the normal value of the normal DVD-R products. It has been stated that they understand from ODMTA that certain discount in price is possible in case a buyer purchases a very large quantity. This is normal business practice and applies to both export and local sale without any discrimination.

17. The domestic industry improved in terms of everything including capacity utilization, production, market share, productivity, employment, wages etc., except profit. It has been reiterated that the domestic industry performed well both in the Period of Investigation and in years preceding it, and there is no conclusive evidence of injury. Moser Baer is the number one optical media manufacturer in the Indian market and among the top three media manufacturers in the world. Moser Baer is enjoying a good profitability rather than suffering losses.

18. Even in the unlikely event that there is dumping, imports from Hong Kong cannot be the cause of the alleged injury. The real cause for any alleged injury, even if there is any, would be the declining price in DVD-R both in India and elsewhere in the world, due to the declining price trend on a global basis.

19. It has been requested that any Hong Kong exporters which may be identified after the presentation, as well as other interested parties including HKSARG and ODMTA, be given a reasonable amount of time for completion of questionnaire and submission of further representations.

## **E.2. Submissions made by Optical Disc Manufacturing & Technologies Association Ltd. (ODMTA)**

20. (a) The information that related to the cost of PC material for Hong Kong is wrong.
- (b) The normal value for Hong Kong import was based on wrongful information, and therefore, it is wrong.
- (c) The list of Hong Kong exporters was wrong.
- (d) Data of Annex 1.5 was missing. Therefore, the total exports of Hong Kong cannot be verified.
- (e) Import data for Polycarbonate for the period April-06 to February-07 provided by DGCI&S was misleading and credential for DGCI&S is not provided.
- (f) Statement of country-wise import as per impex Statistics in Annex 1.4 was misleading. And the credential of Impex Statistics is not provided.
- (g) As the MBI reports show that MBI itself already naming the largest and 2nd largest supplier of the world for CDR and DVDR. Its capacity already exceeding 2.8 billion and expanding to 3.4 billion. Exceeding the Indian Total capacity (1.656 billion) by almost 69% during the period of investigation. This shows the AD document's data are simply not accurate.
- (h) As indicated by the document "Injury Information of Domestic Industry", the total production capacity of India during the period of investigation is 1.656 billion, comparing to the figure of 6.15 million of imports from Hong Kong (no proof figure), which is less than 1% of India's total capacity, will this really cause India's market injury?

After preliminary findings, no submission was made by ODMTA.



**E.3. Submissions made by M/s. Allied Electronics & Magnetic Ltd. (Importer)**

21. Some of the large manufacturers of this product, internationally and also in India (only one manufacturer) are viably selling the product in international and Indian Market at low prices, because they enjoy the benefit of production volumes.

22. Amkette has been importing the DVDRs at higher average prices than what has been mentioned in the petition.

23. Some importers may import the products at lower cost than international price, using under hand practices. But this is the area of Customs Department to determine if there is any under valuation. Customs Department has the right to impose penalty/additional duties, wherever it is felt that prices are unjustifiably low.

24. DVDRs are available in open international markets at the price ranging from 12US cents to 16 US cents in market economy countries such as Taiwan or Hong Kong or USA. Price information is in public in public domain and can be easily accessible on internet etc.

25. There is only one major manufacturer in India for DVDRs, having market share in excess of 90% and hence it is not correct to say that price levels in India are in reasonable proportion to production cost and market situation.

26. Import prices from countries other than countries under investigation are higher as imports as imports from these countries also include DVDRs in different packaging such as Jewel case, 10 PK etc.

27. No separate data/cost details/pricing information in respect of DVD-RW & Mini DVD-RW has been submitted in the petition.

28. In the data submitted by the petitioner, no prima-facie evidence of dumping of DVDRWs and mini DVDRWs has been submitted which establishes injury to the domestic industry. All data submitted by the petitioners such as import data, prices, dumping, margins as also the production capacity etc. are pertaining to DVDRs.

29. In the initiation notification it has been mentioned that there are three producers of the subject goods in India.—M/s. Moserbaer, M/s. Euro Multivision and M/s. Computer Skill. This is not correct as far as DVDRW is concerned.

30. All the argument of the petitioner in their application to establish the injury and causal link are based on volume and value of dumped imports, only for DVDRs. Hence to include DVDRWs and Mini DVDRWs for anti dumping investigation is not justifiable.

**Submissions after Preliminary Findings**

31. After the preliminary findings, HKSARG stated that the preliminary findings are inaccurate and demanded for disclosure of the calculation of normal value and export price and also stated that the Indian authority should reexamine the evidence for dumping and take account of views and information supplied by ODMTA. HKSARG also questioned the claim of injury to the domestic industry and the causation of the alleged injury. It was further stated that Indian authority should reexamine the injury claim with the exceptional circumspection, and to take full account of other factors for the decline in price of DVD products notably global decline in prices.

32. The HKSARG stated that they 'strongly object to the wholesale suppression of the data employed in the calculation of Normal Value and Export Price, which deprives Hong Kong of a fair opportunity of defense.' It has been stated that the verified data of the domestic industry are not the actual data on Normal Value and Export Price, but are just estimates based on the domestic industry's own data, and we believe that they should not be relied upon, or at least before verifying them against other more credible sources.

33. HKSARG objected that inland freight which was taken @ 0.25% for Hong Kong is same as that of China PR and Chinese Taipei on the ground Hong Kong is a port city with excellent transport infrastructure and is small in size, therefore, the average inland freight should be much lower than the average inland freight in mainland China.

34. HKSARG objected that the Indian authority has rejected the calculation of the normal value and export price supplied by ODMTA as the data was obtained by reference to actual supplied by the DVD manufacturing industry in Hong Kong, and are far more reliable than those supplied by the petitioner in India. It was further stated that no request was received by HKSARG or ODMTA for verification of the information, therefore, it is unfair to refuse the

4595 62/08-4

information from ODMTA without any attempt to verify its reliability. The reliability of the data supplied by ODMTA can be confirmed by various independent sources. According to a market research article published by Global Sources (Weblink : <http://www.global-sources.com/gsol/I/Blank-DVD/a/9000000088461.htm>), a NASDAQ listed company bridging buyers and suppliers around the world, the quoted price of DVD-R manufactured in Hong Kong ranged from 13 to 15 US cents per piece which is very close to the export price calculated by ODMTA. We understand that ODMTA stands ready to provide all appropriate documentary evidence, including that from DVD manufacturing not engaged in export of the DVD products to India, in support of its calculation of the normal value and export price. ODMTA's work is, however, inhibited by the lack of the provision of the names of the actual Hong Kong manufacturers and exporters of DVD-R to India. In the circumstances, ODMTA could not identify the actual manufacturers/exporters for the actual data notwithstanding all its hitherto efforts to search for the actual manufacturers/exporters.

35. Regarding injury and causal link, HKSARG stated that the preliminary findings have established that the performance of the domestic industry improved in terms of the majority performance indicators including production, capacity utilization, sales, market share, employment, inventory, growth, investment, etc. While it is claimed in the preliminary findings that price performance indicators in terms of selling price, profits and return on investment are negative, it is obvious that the performance indicators taken together are at most mixed if not positive overall, and the claim for material injury as reflected in the performance indicators is at best inconclusive.

36. Given that 60% of the market was taken up by domestic production and its increasing trend, it is doubtful whether imports vis-a-vis the domestic product have a stronger effect on prices. Indeed, the overwhelming market share of domestic production suggest that export prices, including their decline, might indeed be a response to the prices set by the domestic industry, instead of vice-versa.

37. HKSARG further believe that decline in sales price of DVD products is a general global trend both in India and elsewhere around the world, therefore, Indian authority may check the export price of India industry as well as global price of DVD product so as to establish the true cause of price decline, and not to attribute them superficially to dumped imports.

38. Moserbaer who accounts for lion's share of the domestic production, performed very well financially in the financial year ending 31st March, 2007. It is doubtful whether Moserbaer financial performance would differ significantly in the POI (April 2006—June 2007). This may be contradictory to the claim that Moserbaer suffered loss of injury. Even if the claim of financial loss is partly true in respect of domestic market, the relevant financial data should be examined with extreme circumspection in conjunction with the financial statement.

39. Of the 38.7% of all imports in the total market share, imports from Hong Kong only accounted for 4.6% thus imports from Hong Kong was in no position to influence materially the market price of DVD products and hence cause injury to the domestic industry.

40. The alleged dumping margin for Hong Kong is lowest among China PR, Hong Kong and Chinese Taipei, on the other hand, the provisional duty for Hong Kong are not the lowest.

#### **E.4 Examination by the Authority**

41. Before notifying the preliminary findings, The Authority had taken note of the arguments of the HKSARG and Amkette. It was also noted that HKSARG had provided estimated cost of production. It was further noted that estimated cost of production was provided without any back up evidence. The Authority for estimated cost of production relied on the data available on public domain in respect of prices of raw materials. Regarding utilities the data provided by HKSARG was relied upon. For other information it was stated in the Preliminary Findings that if the data from actual manufacturer is provided by HKSARG, the same would be relied upon after its verification. It has been noted that no such information has been provided.

42. In respect of the submissions concerning injury to the domestic industry the Authority has noted that analysis of injury to the domestic industry has been done on the basis of verified data of the domestic industry.

43. HKSARG objected that in the preliminary findings, the expenses on internal transportation should be less for Hong Kong and Chinese Taipei as compared to mainland China. In this regard, concerning internal transportation, the adjustment has now been revised and made @ 0.1% in respect of Hong Kong and Chinese Taipei. The revised calculations have been reflected in calculations of export prices.

44. Concerning issue of higher anti-dumping duty on Hong Kong though the weighted dumping margin is lower in the case of Hong Kong as compared to Chinese Taipei. The authority has noted that the weighted dumping

margin has been expressed as percentage of the export price. As the export price and dumping margin values are different, therefore the weighted dumping margin expressed in percentage term is not reflective of actual dumping margin in absolute term, therefore, the dumping margins expressed as a percentage of export prices are not reflective of actual dumping margin of other countries. The duty has, however, been imposed depending upon the actual dumping margin in absolute term.

#### **F. Methodology for calculation of dumping margin**

##### **Normal Value**

##### **F.1 Normal Value for non co-operating exporters from China PR**

45. No exporters from China PR has responded to the Initiation Notification and provided any information about normal value and market economy treatment. The presumption of non market economy as per para 8 of Annexure-1 of the Rules remain unrebutted. The Authority, therefore, has constructed the normal value as per para 7 of the Annexure-1 by using method "on any other reasonable basis". For this purpose the price of major raw material, Polycarbonate has been taken from World Trade Atlas as average export price from China PR. Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials, utilities and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @ 5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for China PR has been determined as below :

Value in US\$ per '000 Pcs.

Normal value	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW		***

##### **F.2. Normal Value for non co-operating exporters from Hong Kong**

46. No exporters from Hong Kong has responded to the Initiation Notification and provided any information about normal value. In absence of the co-operation from exporters the Authority has constructed normal value on the basis of facts available as per Rule-6(8). HKSARG has provided information for the cost of production in Hong Kong without any backup documentary evidence. From the information provided the Authority has relied upon the prices in respect of utility. Price of major raw material, Polycarbonate has been taken from World Trade Atlas as average export price from Hong Kong. Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials, utilities and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @ 5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for Hong Kong has been determined as below :

Value in US\$ per '000 Pcs.

Normal value	Jewel Case	Cake box	BOS
DVD-R		***	***
DVD-RW	***		

47. In the preliminary findings, it was intimated that in case HKSARG provide information/data on the actual manufacturer, the same would be relied upon after its verification, however, no such information has been provided, therefore, the normal value as determined above has been relied upon in this findings.

##### **F.3. Normal Value for non co-operating exporters from Chinese Taipei**

48. No exporters from Chinese Taipei has responded to the Initiation Notification and provided any information about normal value. In absence of the co-operation from exporters the Authority has constructed normal value on the basis of facts available as per Rule-6(8). For this purpose the price of major raw material, Polycarbonate has been taken from World Trade Atlas as average export price from Chinese Taipei. Prices of utility has been taken as prevailing in Chinese Taipei. Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @ 5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for Chinese Taipei has been determined as below :

Value in US\$ per '000 Pcs.

Normal value	Jewel Case	Cake box	BOS
DVD-R	***	***	***
DVD-RW	***	***	***

**Export price****F.4. Export price for non co-operating exporters from China PR**

49. As no exporters from China PR has co-operated, therefore the export price has been determined on the basis of facts available as per Rule 6-(8). For this purpose, the Authority has relied upon the transaction wise imports data procured from DGCI&S. It has been observed that the DVD R and DVD RW have been imported in different packages. The weighted average export price has been determined separately for different packing by segregating data of the DVD R and DVD RW.

50. To determine ex-factory export price, expenses on account of Ocean freight, Marine insurance, port expenses (@ 0.25%) and inland freight (@ 0.25%) have been adjusted. For ocean freight and marine insurance the information provided by the co-operating importer has been relied upon. By this methodology the ex-factory export price has been determined as under :

Value in US\$ per '000 Pcs.		
Ex-factory export price	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW		***

**F.5. Export price for non co-operating exporters from Hong Kong**

51. As no exporters from Hong Kong has co-operated, therefore the export price has been determined on the basis of facts available as per Rule-6(8). For this purpose, the Authority has relied upon the transaction wise imports data procured from DGCI&S. It has been observed that the DVD R and DVD RW have been imported in different packages. The weighted average export price has been determined separately for different packing by segregating data of the DVD R and DVD RW.

52. To determine ex-factory export price, expenses on account of Ocean freight, Marine insurance, port expenses (@ 0.25%) and inland freight (@ 0.1%) have been adjusted. For Ocean freight and marine insurance the information provided by the co-operating importer has been relied upon. By this methodology the ex-factory export price has been determined as under :

Value in US\$ per '000 Pcs.			
Ex-factory export price	Jewel Case	Cake box	BOS
DVD-R		***	***
DVD-RW	***		

**F.6. Export price for non co-operating exporters from Chinese Taipei**

53. As no exporters from Chinese Taipei has co-operated, therefore the export price has been determined on the basis of facts available as per Rule-6(8). For this purpose, the Authority has relied upon the transaction wise imports data procured from DGCI&S. It has been observed that the DVD R and DVD RW have been imported in different packages. The weighted average export price has been determined separately for different packing by segregating data of the DVD R and DVD RW.

54. To determine ex-factory export price, expenses on account of Ocean freight, Marine insurance, port expenses (@ 0.25%) and inland freight (@ 0.1%) have been adjusted. For Ocean freight and Marine insurance the information provided by the co-operating importer has been relied upon. By this methodology the ex-factory export price has been determined as under :

Value in US\$ per '000 Pcs.			
Ex-factory export price	Jewel Case	Cake box	BOS
DVD-R	***	***	***
DVD-RW	***	***	***

**F.7. Dumping Margin**

55. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margins are determined as per table below :—

**China PR**

Value in US \$ per '000 Pcs.

	DVD R		DVD RW	Weighted average
	Cake box	BOS	BOS	
Normal Value	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***
Dumping Margin (%)	***	***	***	64.72

**Hong Kong**

Value in US \$ per '000 Pcs.

	DVD R		DVD RW	Weighted average
	Cake box	BOS	Jewel Case	
Normal Value	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***
Dumping Margin (%)	***	***	***	62.96

**Chinese Taipei**

Value in US \$ per '000 Pcs.

	DVD R			DVD RW			Weighted average
	Jewel Case	Cake box	BOS	Jewel Case	Cake box	BOS	
Normal Value	***	***	***	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin(%)	***	***	***	***	***	***	63.50

56. The dumping margins so determined are significant and above *de minimis* level.

**G. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS****Injury Determination**

57. For the purpose of injury analysis the entire imports from the subject countries have been treated as dumped imports.

**G.1. Submissions by the Domestic Industry**

58. The domestic industry has raised the following arguments:

- (a) Imports of the product under consideration have significantly increased in absolute terms and in relation to production in India.

- (b) The average imports per month increased significantly even within the proposed period of investigation.
- (c) The imports are significantly undercutting the prices of domestic industry. Resultantly, imports were depressing the prices of the domestic industry in the market.
- (d) Even though capacity, production and sales increased over the period, the increase in these parameters was a result of significant increase in demand anticipated earlier for the product. However, the domestic industry lost market share.
- (e) Profitability of the domestic industry has significantly declined over the period because of significant price pressure created by the imports.
- (f) Return on investment and cash flow have also deteriorated significantly over the period. The domestic industry is faced with negative return.
- (g) Inventories with the domestic industry have increased significantly.
- (h) Injury to the domestic industry is being caused by the dumped imports considering that the only reason for reduction in selling price is the decline in import prices.

#### **G.2. Submissions by other interested parties**

59. Submissions by other interested parties on injury have been recorded in relevant paras from 13 to 40 of the findings.

#### **G.3. Examination by the Authority**

60. The Authority has noted the views expressed by the domestic industry and other interested parties and noted that the injury analysis of the domestic industry is done on the basis of actual verified data.

#### **G.4. Cumulative assessment of injury**

61. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- (a) The volume of imports from individual countries are above de minimis;
- (b) The dumping margin against individual countries is above 2%; and
- (c) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

62. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from several countries, including the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that :

- (i) The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the de minimis limit;
- (ii) The volume of imports of individual products from each of the subject countries is more than the de minimis; and
- (iii) Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.

63. In view of the above, the Authority propose that cumulative assessment of injury is appropriate in this case as the exports of individual products from the subject countries are directly competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

#### **G.5. Examination of Injury and Causal Link**

64. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure - II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles..." In considering the effect the dumped imports on prices, it is

considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

65. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure - II of the rules supra.

66. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under.

#### G.6. Volume effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

##### (i) Import Volumes

67. DVD is specifically importable under Customs Tariff Head 8523.40.80. The transaction-wise data of imports from Impex Statistics as provided by the applicant and DGCI&S as procured by the Authority, shows that the imports have been made under different custom tariff heads. Data from DGCI&S have been relied upon for analysis.

68. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

69. For the purpose of injury analysis the Authority has relied on transaction wise import data procured from DGCI&S. At the time of initiation the data provided by the applicant procured from Impex Statistics was relied upon. On receipt of data from DGCI&S it was observed that the imports were significantly higher than that was reported in the Impex Statistics. Therefore for the purpose of this investigation and injury analysis data procured from DGCI&S has been relied upon. From the data it has been observed that imports of DVD R constitutes bulk of imports. It has also been observed that imports were made in various packing i.e. Jewel case, Cake box and BOS. However, main imports were in pack of BOS.

70. Volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analysed as under:-

##### (ii) Import Volumes and share of subject country

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
<b>Imports</b>						
China PR	Lac. Pcs	1.30	9.28	150.94	254.62	203.69
Hong Kong	Lac. Pcs	—	19.22	33.89	80.97	64.77
Taiwan	Lac. Pcs	47.97	100.32	224.77	211.41	169.13
Other Countries	Lac. Pcs	1.60	6.93	26.14	138.19	110.55
Subject Countries	Lac. Pcs	49.27	128.82	409.60	546.99	437.59
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	<b>100</b>	<b>261</b>	<b>831</b>	<b>888</b>	<b>888</b>
Total Imports	Lac. Pcs	50.88	135.76	435.74	685.18	548.15
<b>Trend</b>	<b>Indexed</b>	<b>100</b>	<b>267</b>	<b>856</b>	<b>1,077</b>	<b>1,077</b>
<b>Market Share</b>						
China PR	%	2.56	6.84	34.64	37.16	37.16
Hong Kong	%	—	14.16	7.78	11.82	11.82
Taiwan	%	94.29	73.90	51.58	30.85	30.85
Other countries	%	3.15	5.11	6.00	20.17	20.17
Subject Countries	%	96.85	94.89	94.00	79.83	79.83
Imports in relation to production	%	7.13	5.11	6.37	4.52	4.52
Consumption	%	95.24	70.81	61.35	30.91	30.91

71. The data shows imports from subject countries increased from 49.27 lacs in 2003-04 to 437.59 lacs during POI (annualised) indicating sharp increase in imports during POI as compared to base year. Import data shows that imports mainly constitutes DVD-R. Imports of DVD-RW was in the range of 5% of the total imports. It has also been observed that imports of DVD was made in different packed forms. However, mainly imports constitutes DVD in bulk package which was 87% of the total imports. The other packages were in Jewel pack and cake box. It has been observed that imports have increased in absolute term, however, in relation to production and consumption it has declined from base year to POI.

#### **Demand, Output and Market shares**

##### **(iii) Growth in Demand**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Domestic Industry	Lac. Pcs	0.86	46.16	212.70	1,061.65	849.32
Total Imports	Lac. Pcs	50.88	135.76	435.74	685.18	548.15
Other Indian producer	Lac. Pcs	—	—	19.17	23.06	18.45
<b>Total Demand</b>	<b>Lac Pcs</b>	<b>51.74</b>	<b>181.92</b>	<b>667.61</b>	<b>1,769.89</b>	<b>1,415.92</b>

72. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales of Indian Industry and imports from all countries. From the data, trend indicates that demand for the subject goods had been growing from base year to POI. The product itself is of a recent origin hence the demand for the product is increasing rapidly.

##### **(iv) Production of the Domestic Industry**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Capacity	Lac. Pcs	1,400	4,800	9,885	15,523	12,418.34
Trend	Indexed	100	343	706	87	887
Production	Lac. Pcs	691	2,521	6,435	12,097	9,677.76
Trend	Indexed	100	365	931	1,400	1,400
Capacity Utilisation	%	49.38	52.51	65.10	77.93	77.93
Trend	Indexed	100	106	132	158	158

73. The above data shows that capacity, production and capacity utilisation of the domestic industry has increased from base year to POI.

##### **(v) Sales of Domestic Industry**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Domestic Industry	Lac. Pcs	0.86	46.16	212.70	1,061.65	849.32
Export Sales	Lac Pcs.	501.40	2,022.00	5,613.17	9,805.99	7,844.79

74. The data on sales indicates that the domestic industry sold 0.86 Lac. Pcs of subject goods during 2003-04 and the same increased to 849.32 Lac. Pcs during annualised POI. The sale of domestic industry has been increasing throughout the injury period.



## (vi) Demand and Market Share

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Assessed Demand	Lac. Pcs	51.74	181.92	667.61	1,769.89	1,415.92
Trend	Indexed	100	352	1,290	2,737	2,737
Imports from subject countries	Lac. Pcs	49.27	128.82	409.60	546.99	437.59
Imports from other countries	Lac. Pcs	1.60	6.93	26.14	138.19	110.55
Sales of Domestic Industry	Lac. Pcs	0.86	46.16	212.70	1,061.65	849.32
Sales of other Indian producers	Lac. Pcs	—	—	19.17	23.06	18.45
Market Share in Demand						
Imports from subject countries	%	95.24	70.81	61.35	30.91	30.91
Imports from other countries	%	3.10	3.81	3.92	7.81	7.81
Sales of Domestic Industry	%	1.67	25.37	31.86	59.98	59.98
Sales of other Indian producers	%	—	—	2.87	1.30	1.30
Selling price of the domestic industry	Rs./PC	***	***	***	***	***

75. The demand of subject goods has shown rising trend. From 51.74 lac pieces in the base year, the demand increased to 1416 lac pieces in POI (annualized). During the same period, market share of the domestic industry increased from 1.67% to 59.98%. Whereas the share of the subject countries declined from 95% to 31%. Further, the market share of the imports has declined whereas that of domestic industry has increased. It has been observed that from base year to POI the selling price of the domestic industry declined steeply.

## G.7. Price Effect of the Dumped imports from subject countries on the Domestic Industry

## (i) Evaluation of price over period under consideration

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Export Price					
Subject Countries	Rs./Pc	5.24	4.70	3.94	4.89
Trend	Indexed	100	90	75	93
Selling Price	Rs./Pc	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	33	19	17
Polycarbonate prices*	Rs./KG	79.08	87.53	128.55	127.09
Raw materials cost	Rs./Pc	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	85	116	90

\*Source : World Trade Atlas data

76. The data on export price shows that prices from subject countries have declined from base year to POI. It has been observed from the data in the World Trade Atlas that during the same period, price of the major raw material i.e. polycarbonate has increased in the subject countries. Even if it is considered that the prices in 2003-04 were quite high because of introductory phase, it is found that the prices declined steeply even between 2004-05 and 2005-06. Further even between investigation period and preceding year, the prices declined significantly.

459542/08-5

**(ii) Price undercutting and underselling effects**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
<b>Selling price-DI</b>					
DVD-R	Rs./Pcs	***	***	***	***
DVD-RW	Rs./Pcs	***	***	***	***
DVD (R& RW)	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	33	19	17
<b>Landed value</b>					
DVD-R	Rs./Pcs	5.70	4.44	3.94	4.80
DVD-RW	Rs./Pcs	8.42	8.12	4.21	6.52
DVD (R & RW)	Rs./Pcs	5.71	4.89	3.94	4.89
Trend	Indexed	100	86	69	86
<b>Price Undercutting</b>					
DVD-R	Rs./Pcs	***	***	***	***
DVD-RW	Rs./Pcs	***	***	***	***
DVD (R & RW)	Rs./Pcs	***	***	***	***
<b>Price undercutting</b>					
DVD-R	%	***	***	***	***
DVD-RW	%	***	***	***	***
DVD (R & RW)	%	***	***	***	***
NIP	Rs./Pcs.				***
Price underselling	Rs./Pcs.				***
Cost of production	Rs./Pcs.	***	***	***	***

77. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

78. In determining the weighted net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

79. The trend of selling price indicates that it declined to 33 in 2004-05, and 17 in POI as compared to base year (indexed 100).

80. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose, imports have been segregated in packed form and bulk form. The landed value of imports has been calculated by adding (for the relevant years) 1% handling charge and applicable basic customs duty as applicable to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject countries. The weighted average undercutting from subject countries during POI was in the range of 40-50% for packed product and 15-25% for imports in BOC.

81. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject countries have been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. The weighted average underselling was in the range of 50—60% during POI.

**(iii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:**

82. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

83. The trend of cost of production shows that weighted average cost of sales declined by Rs. 8.27/pc over injury period, whereas selling price declined by Rs. 35.56/pc during the same period indicating that the domestic industry was under tremendous pressure to reduce the prices because of dumped imports.

**G.8. Examination of other Injury Parameters**

84. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows :

**(i) Profits and actual and potential effects on the cash flow**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI (Annualised)
Sales (NSR)	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	33	19	17
Cost of Sales	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	60	54	50
Profit before tax	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	17	(3)	(4)
Profit before interest (PBIT)	Rs./lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	942	(189)	(2,100)
Contribution	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	33	19	17
Total Profit before tax	Rs./lacs	***	***	***	***
Total Profit before interest (PBIT)	Rs./lacs	***	***	***	***
Cash Profit	Rs./pc	***	***	***	***

85. The data shows that cost of sales of the domestic industry declined significantly over the injury period. It may not be appropriate to consider 2003-04 for comparison as cost was unusually high because it was first production year of the domestic industry. From 2004-05 to POI, the cost of sales declined by Rs. 1.58/pc due to declining conversion cost and of raw materials other than polycarbonate. During the same period, the selling price declined by more than Rs. 7/pc indicating disproportionate reduction in selling price as compared to cost of sales. The profit before tax declined on consistent basis throughout the injury period. While the domestic industry was earning profits till 2004-05, it suffered losses thereafter. Further, loss before tax for the quantities sold increased significantly in the investigation period.

**(ii) Return on Capital Employed**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Capacity Employed (NFA)	Rs. Lacs.	***	***	***	***	***
PBIT	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	942	(189)	(1,680)	(1,680)
Return on capital employed	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	59	(7)	(19)	(19)

86. Capital employed has been calculated per unit of production and then the same is multiplied in to domestic sales volume in order to arrive at the capital employed for domestic sales. The data on return on capital employed shows that return declined very steeply over the injury period. Further, whereas the industry was having positive return till 2004-05, the domestic industry is suffering negative return from 2005-06.

**(iii) Employment**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Employees	No	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	127	159

87. The manufacturing facility of the domestic industry manufacture both subject goods and other products not covered in this investigation. The number of employees has been taken for plant as a whole. The above data shows that number of employees has increased by 59% during POI as compared to base year.

**(iv) Productivity**

88. The manufacturing facility is common for product under consideration and other products and therefore, it is considered that productivity per employee would not appropriately reflect the position with regard to injury to the domestic industry.

**(v) Inventories**

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Average Inventory	Lac/Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	437	966	1,868

89. The above data shows that the average inventory increased significantly over the years. However, in terms of number of days sales, the inventory declined significantly from base year to POI.

**(vi) Growth**

90. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year-to-year basis. The growth in production and sales were positive. However, cost, selling price, profitability and return on investment shows negative trend.

**(vii) Investment**

91. The Authority notes that the domestic industry had infused fresh capital to increase the capacity for subject goods and other goods during the injury period.

**(viii) Magnitude of Dumping**

92. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries named, for the POI, are significant.

**(ix) Factors affecting prices**

93. The Authority notes that the cost of sales declined during the injury period. From 2004-05 to POI, the cost of sales declined by Rs. 1.58/pc. The landed value from subject countries during this period first declined in 2005-06, however, it increased during the POI reaching to the level of landed value as that was prevailing in 2004-05. The price undercutting during the period remained significant. With the declining selling price of the domestic industry, however, the undercutting declined from 2004-05 to POI. Significant price difference between the domestic and imported product resulted in decline in the selling price by the domestic industry. The domestic industry was forced to reduce selling prices continuously and such price declines continued even below the cost of production.

**G. 9. Other known factors and Causal Link**

94. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined

**(i) Volume and prices of imports from other sources**

95. During POI, imports from countries not under investigation constitute 20% of the total imports. The imports from some countries were also undercutting the selling price of the domestic industry. However, quantity of imports from those countries were *de minimis* except in respect of one country which had a share of 8.5% of the total imports. The Authority observed that imports from other countries undercutting the selling price of the domestic industry may also be contributing to the injury to the domestic industry.

**(ii) Contraction in demand, change in pattern of consumption and development of technology**

96. Because of development of further technology and new product in the market, the consumption pattern of the subject goods is undergoing change in favour of this product. In India the subject goods have shown robust growth during the injury period. The total demands of subject goods have shown robust growth during period of investigation as compared to the base year.

**(iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers.**

97. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

**(iv) Export performance**

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Export Sales	Lac Pcs.	501	2,022	5,613	9,806	7,845
Trend	Indexed	100	403	1,120	1,565	1,565

98. The Authority notes that the export volume of the domestic industry has been increasing. The Authority also notes that the analysis of financial performance for the injury period has been done for the domestic sales only.

**(v) Productivity of the Domestic Industry**

99. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee could not be assessed as the subject goods and other goods not under investigation are manufactured under the same manufacturing facility.

100. It has been stated that decline in the sale price of DVD product is a general global trend both in India and around the world, therefore, the Authority should check the true cause of price decline and not attribute the decline in selling price of the domestic industry, superficially to the dumped imports. The Authority has noted that the global decline in price of the DVD product may be one of the factors impacting the performance of the domestic industry.

101. No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has come to the notice of the Authority.

**G. 10. Causal Link**

102. The Authority notes that the price undercutting upto 2006-07 was too significant, forcing the domestic industry to reduce the prices. Even though the average import price increased in the investigation period, given the extent of existing price undercutting, the domestic industry was forced to reduce the prices further in order to bridge the gap between the domestic and imported product and sell higher volumes. The decline in the selling prices as a consequence of undercutting industry in terms of profit/loss, return on investment and cash flow. Whereas the domestic industry was earning profits in 2003-04 and 2004-05 in spite of low volumes, the domestic industry was forced to a situation of financial losses in 2005-06, which increased further in the investigation period. Thus, the decline in profitability, return on investment and cash flow was a consequence of dumping from subject countries.

103. On the issue raised by HKSARG that the domestic industry has an overwhelming share in the domestic market and export price might have been in response to price set by the domestic industry, it has been noted that the domestic industry with the commanding share would not like to lower the prices which adversely affect their financial performance. Apparently, the domestic industry has been compelled to reduce the prices in the market.

104. It has been argued that global decline in the price of the DVD product could be reason for decline in price of the domestic industry, in this regard, the Authority notes that this could be one of the factors which might have

impacted the performance of the domestic industry, however, in absence of any cooperation from any of the exporters from the subject countries, the price undercutting as well as significant price underselling by imports and estimated dumping margin suggest that the performance of the domestic industry was adversely impacted by the dumped imports.

105. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal values, no injurious price of the domestic industry and the average net sales realization of the subject goods of the domestic industry, and have caused injury to the domestic industry indicating causal links between dumping of subject goods and injury to the domestic industry.

#### H. Conclusions

106. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that :

- A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- B. The domestic industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

#### I. Indian Industry's interest and other issues

107. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

#### J. Recommendations

108. In view of the above, the Authority considers it necessary and recommends definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

109. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, Definitive antidumping duty equal to the amount indicated in Column 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

**Duty Table**

S. No.	Tariff Item	Description of Goods	Country Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	8523	Digital Versatile Disc Recordable (See note below)	China PR	China PR	Any	Any	68.11	Per 1000 pieces	USD
2.	-do-	-do-	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	68.11	-do-	-do-
3.	-do-	-do-	Any country other than subject countries	China PR	Any	Any	68.11	-do-	-do-
4.	-do-	-do-	Hong Kong	Hong Kong	Any	Any	66.72	-do-	-do-
5.	-do-	-do-	Hong Kong	Any country other than Hong Kong	Any	Any	66.72	-do-	-do-
6.	-do-	-do-	Any country other than subject countries	Hong Kong	Any	Any	66.72	-do-	-do-

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
7.	-do-	-do-	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any	Any	65.63	-do-	-do-
8.	-do-	-do-	Chinese Taipei	Any country other than Chinese Taipei	Any	Any	65.63	-do-	-do-
9.	-do-	-do-	Any country other than subject countries.	Taiwan	Any	Any	65.63	-do-	-do-

Note : The product under consideration in the present findings is Digital Versatile Disc Recordable of all kinds. Such product may include DVD-R, DVE+R, DVD-RW and DVD+RE.

110. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 16th June, 2008, however duty recommended in para 109 above would be applicable from the date of imposition of provisional anti dumping duty as per Section 9A(2) of the Custom Tariff Act 1975.

111. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

R. GOPALAN, The Designated Authority